संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -341 शनिवार ,12 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

» एलजी सिन्हा से मुलाकात कर पार्टियों के समर्थन में पत्र सौंपे...

» 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण संभव...

जम्मू कश्मीर, 11 अक्टूबर 2024 (ए)। जम्मू नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार रात करीब 8 बजे श्रीनगर में राजभवन जाकर एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आईएनडीआईए ब्लॉक की सरकार बनाने का दावा पेश किया।

एलजी से मुलाकात के बाद उमर ने कहा- मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, सीपीआई आप और निर्दलीयों से मिले समर्थन पत्र सौंपे। मैंने उनसे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि सरकार काम करना शुरू कर सके।

10 अक्टूबर को विधायक दल का नेता चुने गए थे उमर

10 अक्टूबर को एनसी के विधायक दल की बैठक हुई थी। मीटिंग में नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया था। मीटिंग में तय किया गया था कि राज्य सरकार में कोई डिप्टी सीएम नहीं होगा नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी कांग्रेस को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है। कांग्रेस की ओर से डूरू सीट से विधायक जीए मीर या प्रदेश अध्यक्ष और सेंट्रल शाल्टेंग के विधायक तारिक हामिद कर्रा में किसी एक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल सकता है।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में आईएनडीआईए ब्लॉक ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की है। गठबंधन में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और सीपीआई को एक सीट मिली। बहुमत का आंकड़ा 46 है।7 निर्दलीय में से 4 ने नेशनल कांफ्रेंस को समर्थन देने का ऐलान किया। ये चार निर्दलीय- इंदरवल से प्यारे लाल शर्मा, छम्ब से सतीश शर्मा, सूरनकोट से मोहम्मद अकरम और बनी सीट से डॉ रामेश्वर सिंह हैं।आपको भी एक सीट मिली है, उसका भी एनसी को समर्थन है।

इंजीनियर राशिद ने कहा था...स्टेटहुड मिलने तक आईएनडीआईए- पीडीपी सरकार न बनाएं

7 अक्टूबर को अवामी इत्तेहाद पार्टी के चीफ और बारामूला सांसद राशिद इंजीनियर ने कहा था कि जब तक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिलता, तब तक आईएनडीआईए ब्लॉक, पीडीपी और अन्य पार्टियां राज्य में सरकार नहीं बनाएं वे एकजुट बनीं रहें।उनके बयान पर उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि राशिद बीजेपी के हाथों में खेल रहे हैं। उनके सुझाव से बीजेपी को फायदा मिलेगा। ये व्यक्ति (राशिद) 24 घंटे के लिए दिल्ली जाता है और वापस आकर सीधे भाजपा के हाथों में खेल जाता है। भाजपा अगर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है तो वो यहां केंद्रीय शासन को आगे बढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं चाहेगी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस-एनसी के गठबंधन में पीडीपी का समर्थन लिए जाने की बात समय से पहले की अटकलें हैं। पीडीपी ने समर्थन नहीं बढ़ाया है, समर्थन की पेशकश नहीं की है।

पीडीपी नेता ने कहा था... हम जानते हैं सरकार बनाने में हमारी अहम भूमिका

लाल चौक विधानसभा सीट से पीडीपी उम्मीदवार जुहैब यूसुफ मीर ने 6 अक्टूबर को कहा था कि हमारी पार्टी जम्मू-कश्मीर में बनने वाली सेक्युलर सरकार का अहम हिस्सा बनेगी। हमने पहले भी कहा था कश्मीर की पहचान बचाने के लिए हम कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं। ये बेहद जरूरी है कि हम एक सेक्युलर सरकार बनाएं जो भाजपा के खिलाफ हो, उसके साथ नहीं।

भाजपा ने 29 सीटें जीतीं, पीडीपी को सिर्फ 3 सीटें मिलीं

8 अक्टूबर को आए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव रिजल्ट में भाजपा ने 29 सीटें जीती। पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 4 सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा सीट से एनसी कैंडिडेट से करीब 8 हजार वोटों से हार गए। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा भेजा।

देश की संक्षिप्त खबरें

टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन होंगे नोएल टाटा

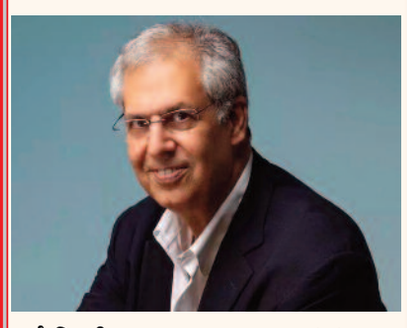

नई दिल्ली ,11 अक्टूबर 2024 (ए)। रतन टाटा के निधन के बाद अब टाटा ट्रस्ट की कमान किसके हाथ में होगी, इस सस्पेंस से पर्दा हट गया है। रतन टाटा के उत्तराधिकारी की तलाश पूरी हो गई है. रतन टाटा के निधन के बाद अब टाटा ट्रस्ट की कमान नोएल टाटा संभालेंगे। टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन को लेकर शुक्रवार को टाटा ट्रस्ट की अहम बैठक में यह फैसला हुआ। टाटा ट्रस्ट के बोर्ड ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से उन्हें अपना चेयरमैन चुना। 67 साल के नोएल टाटा रतन टाटा के सौतेले भाई हैं और कई सालों से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं, जिसमें टाटा ट्रस्ट भी शामिल है। वह नवल टाटा की दूसरी पत्नी के बेटे हैं। वह पहले से ही सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में ट्रस्टी हैं।

अखिलेश यादव ने नीतीश से ऐसी क्या अपील की कि भड़क गई जेडीयू

लखनऊ,11 अक्टूबर 2024 (ए)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू बुरी तरह से भड़क गई है. दरअसल, जेपी को लेकर लखनऊ में चल रहे सियासी घमासान के बीच अखिलेश ने कहा था कि नीतीश को बीजेपी से गठबंधन तोड़ लेना चाहिए।

तीन वर्षीय बालिका को सपने में दिखी मां की मूर्ति

» खुदाई के दौरान निकली देवी की प्रतिमा

» दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी भीड़

भिंड,11 अक्टूबर 2024 (ए)। शारदीय नवरात्रि के बीच मध्य प्रदेश के भिंड जिले में खुदाई में एक देवी प्रतिमा निकली है। बताया जा रहा है कि, तीन वर्षीय बच्ची को सपना आया, इसके बाद तालाब की खुदाई की गई। जिसमें देवी मां की प्रतिमा निकली। इसके बाद से ही गांव के लोग इसे दैविक चमत्कार बता रहे हैं। वहीं प्रतिमा की पूजा पाठ करने आसपास के गांव के लोग भी आ रहे हैं।

दिल्ली में 7600 करोड़ का ड्रग्स जब्त

» ईडी ने दिल्ली-एनसीआर समेत कई जगहों पर मारी रेड...

» पीएमएलए के तहत केस दर्ज...

नई दिल्ली,11 अक्टूबर 2024 (ए)। दिल्ली में पकड़ी गई 7600 करोड़ के ड्रग्स मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है। ईडी ने इस मामेल में दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के कई ठिकानों पर रेड की है। ईडी की टीम इस वक्त आरोपी और पूर्व चेयरमैन आरटीआई सेल कांग्रेस के तुषार गोयल के वसंत विहार स्थिति घर, उसके और उसकी पत्नी के राजौरी गार्डन वाले घर, प्रेम नगर में आरोपी हिमांशु के घर, मुंबई में नालासोपारा में भारत कुमार के घर, इसके अलावा दिल्ली के झंडेवालान में तुषार बुक पब्लिकेशन और गुरुग्राम में एबीएन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के दफ्तर पर रेड कर रही है। बता दें कि कल ही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रमेश नगर इलाके में 2 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स को बरामद किया था।

ड्रग्स मामले में अबतक 7 लोग गिरफ्तार

इससे पहले 1 अक्तूबर को स्पेशल सेल ने महिपालपुर में रेड कर 5600 करोड़ रुपये की ड्रग्स को बरामद की थी। अभी तक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके ठिकानों से 7600 करोड़ रुपये की ड्रग्स को बरामद की किया है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस ने ब्रिटिश मूल के 6 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया है। बता दें कि यूके नेशनल सवंदर सिंह पिछले महीने यूके से भारत कोकेन कन्साइनमेंट के ट्रांसपोर्टेशन के लिए आया था। ये ड्रग्स ज्यादातर साउथ अमेरिका से ट्रांसपोर्ट हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, तकरीबन 25 दिनों तक सविंदर सिंह दिल्ली में तीन अलग-अलग ठिकानों पर रहा और जब महिपालपुर में रेड हुई तो 4 लोगों की गिरफ्तार के दौरान सविंदर सिंह भारत से यूके के लिए निकल गया।

6 लोगों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

सविंदर सिंह समेत आधा दर्जन विदेशी नागरिकों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है, जो इस ड्रग्स रैकेट में शामिल थे। इससे पहले वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था, जो विदेश में मौजूद है इसी ने भारत में दो लोगों को कोकेन सप्लाई के लिए भेजा था। वीरेंद्र बसोया विदेश में रहकर दिल्ली के तुषार गोयल और यूके के जितेंद्र गिल उर्फ जस्सी और यूके नेशनल सविंदर सिंह के साथ ड्रग सिंडिकेट चलाता है। गिल और तुषार गोयल को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है और वीरेंद्र बसोया और सविंदर की तलाश की जा रही है। बता दें कि दोनों फिलहाल विदेश में मौजूद हैं। इसके अलावा रमेश नगर में जिस गोदाम में सविंदर सिंह ने 204 किलोग्राम ड्रग्स रखा था, उसके मालिक और प्रॉपर्टी डीलर से पूछताछ की जा रही है।

केरल विधानसभा में एक राष्ट्र-एक चुनाव के खिलाफ पारित किया प्रस्ताव

तिरुवनन्तपुरम,11 अक्टूबर 2024 (ए)। केरल विधानसभा में केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र-एक चुनाव÷ के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से एक राष्ट्र-एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी देने के अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। वहीं पारित प्रस्ताव में इसे असंवैधानिक भी बताया गया है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के प्रस्ताव की अनुशंसा रामनाथ कोविंद पैनल द्वारा की गई है। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की ओर से राज्य के विधायी कार्य मंत्री एम बी राजेश ने पेश किया। मंत्री राजेश ने कहा कि इससे देश की संघीय प्रणाली को क्षति पहुंचेगी और इससे देश की संसदीय लोकतंत्र की विविधतापूर्ण प्रकृति को नुकसान पहुंचेगा।

मंत्री राजेश ने कहा कि इससे विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय स्वशासी निकायों के कार्यकाल में भी कटौती का मार्ग प्रशस्त होगा। मंत्री ने दलील दी कि समिति लोकसभा, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को एक खर्च के रूप में देख रही है, लेकिन ऐसा करना अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि यह निंदनीय कदम है. क्योंकि चुनाव के खर्च करने तथा प्रशासन को प्रभावी बनाने के लिए और भी सरल तरीके है।

पीएम मोदी की ओर से भेंट किया गया सोने का मुकुट मंदिर से चोरी

नई दिल्ली,11 अक्टूबर 2024 (ए)। बांग्लादेश के श्री श्री जेशोरेश्वरी मंदिर में देवी काली का सोने का मुकुट चोरी हो गया। यह मुकुट, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उपहार में दिया गया था। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे इस घटना का पता चला। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में एक युवक दोपहर 2:49 बजे मंदिर में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है। वह मूर्ति के पीछे खड़ा होता है और कुछ ही पलों में मुकुट को अपनी टी-शर्ट के नीचे छिपा लेता है। जींस और सफेद टी-शर्ट पहने हुए इस व्यक्ति ने मुकुट लेने से पहले इधर-उधर देखा, हालांकि इस दौरान वह शांत और संयमित नजर आया।

रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के पुजारी दिलीप बनर्जी ने बताया कि वह मंदिर को बंद कर दोपहर 2 बजे के बाद घर चले गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे मंदिर की देखभाल की जिम्मेदारी संभाल रही रेखा रानी ने पूजा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली थालियां और गिलास को साफ करने के लिए, प्रवेश द्वार का ताला खोला। कुछ सामान पास के भवन में रखने के बाद जब वह बाकी सामान लाने के लिए मंदिर लौटी तो देखा कि मूर्ति के सिर से मुकुट गायब था। उसने तुरंत सभी को घटना की जानकारी दी।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक श्यामनगर थाना प्रभारी (जांच) फकीर तैजुर रहमान ने बताया कि जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने यह जानकारी दी कि सेना के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 फरवरी, 2021 को मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान मुकुट को बतौर गिफ्ट दिया था। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर उच्चायोग ने कहा,हमने 2021 में पीएम मोदी की ओर से जेशोरेश्वरी काली मंदिर (सतखिरा) को भेंट किए गए मुकुट की चोरी की रिपोर्ट्स देखीं। इस घटना पर हम गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने, मुकुट को बरामद करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।

दो अग्निवीरों की मौत से मचा हड़कंप

ट्रेनिंग के दौरान फटा तोप का गोला

नई दिल्ली ,11 अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित आर्टिलरी सेंटर में फायरिंग अभ्यास के दौरान भारतीय फील्ड गन से निकले गोले के फटने से दो अग्निवीरों की मौत हो गई. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अग्निवीर हैदराबाद से महाराष्ट्र के नासिक के देवलाली में आर्टिलरी स्कूल में प्रशिक्षण के लिए आए थे। सेना ने दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पीटीआई के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार दोपहर नासिक रोड इलाके में आर्टिलरी सेंटर में हुई. उन्होंने बताया कि विस्फोट में अग्निवीर गोहिल विश्वराज सिंह (20) और सैफत शिट (21) की मौत हो गई। अग्निवीरों की एक टीम भारतीय फील्ड गन से फायरिंग कर रही थी, तभी एक गोला फट गया। अधिकारी ने बताया कि दोनों घायल हो गए और उन्हें देवलाली के एमएच अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हवलदार अजीत कुमार की शिकायत के आधार पर देवलाली कैंप पुलिस में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

अनशन पर बैठे डॉक्टर की हालत बिगड़ी

सरकार ने जांच के लिए स्पेशल टीम भेजी गई

कोलकाता,11 अक्टूबर 2024 (ए)। कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हत्या और रेप के बाद शुरू हुआ धरना प्रदर्शन अभी तक चल रहा है। पीड़िता को इंसाफ दिलाने को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब आमरण अनशन में बदल गया है. जूनियर डॉक्टर अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हैं। धरना पर बैठे एक जूनियर डॉक्टर की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें गुरुवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुझे ईवीएम की बैटरी वाली मोबाइल चाहिए

चंडीगढ़,11 अक्टूबर 2024 (ए)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद हार और जीत के मसले पर चर्चा जारी है. इस बीच कांग्रेस को मिली हार पर पार्टी के नेता अब ईवीएम को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं।

संपादकीय

गडकरी का साहस दिखाना प्रशंसनीय

रेवडि़यां दूसरी सब्सिडियों के भुगतान में रुकावट की शर्त पर ही बांटी जा सकती हैं। बल्कि कहा यह जाएगा कि इन पर अमल समाज की जड़ों को मजबूत करने वाली और मानव विकास का आधार बनने वाली योजनाओं की कीमत पर ही होता है।भाजपा की अंदरूनी सियासी समीकरण वाले एंगल में सिर खपाने से बच सकें, तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा है, उसकी अहमियत बेहतर ढंग से समझ आ सकती है। गडकरी ने महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी की गठबंधन सरकार की नई घोषित लड़की बहिन योजना पर सवाल उठाए हैं। यह सच बयान किया है कि इस योजना पर अमल दूसरी सब्सिडी में कटौती की शर्त पर ही संभव है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर सभी महिलाओं को 1,500 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। इसका लाभ ढाई करोड़ महिलाओं को मिलेगा। इससे राज्य के खजाने पर 46 हजार करोड़ रुपये का नया सालाना बोझ आएगा। लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद एकनाथ शिंदे सरकार ने कुछ ऐसी नई घोषणाएं कीं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में रेवड़ी कहा जाएगा। शिंदे ने आर्थिक रूप से कमजोर हर परिवार को हर साल तीन गैस सिलिंडर मुफ्त देने, किसानों को प्रति पांच हेक्टयर जमीन पर पांच हजार रुपये बोनस देने, और उनके बिजली बिल माफ करने की घोषणा भी की है। इन सबका अतिरिक्त बोझ खजाने पर आएगा।गडकरी की टिप्पणी गौरतलब है कि ऐसी योजनाओं पर अमल दूसरी सब्सिडियों के भुगतान में रुकावट की शर्त पर ही संभव है। बल्कि कहा यह जाएगा कि इन पर अमल समाज की जड़ों को मजबूत करने वाली और मानव विकास का आधार बनने वाली योजनाओं की कीमत पर ही होता है। मगर इस नव-उदारवादी दौर में जन-कल्याण का मतलब ऐसी योजनाओं का बढ़-चढ़ कर एलान हो गया है, जिस होड़ सभी पार्टियां शामिल हो चुकी हैं। सीधे और सरल शब्दों में इसे वोट खरीदने की होड़' कहा जा सकता है। इस चलन का विरोध धारा के खिलाफ बोलना माना जाता है, जिसका साहस राजनेता नहीं दिखा पाते। महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मियां शुरू हो चुकी हैं और उसके बीच गडकरी का यह साहस दिखाना प्रशंसनीय है। ऐसी बातों से यह रुझान थमेगा तो नहीं- फिर भी लोगों को सच बताने का अपना महत्त्व है। यह बात अवश्य बताई जानी चाहिए बांटी जा रही रेवडि़यां समाज के दीर्घकालिक विकास की कीमत पर हैं।

जलते हैं केवल पुतले,रावण बढ़ते जा रहे?

प्रियंका सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

दशहरे पर रावण का दहन एक ट्रेंड बन गया है। लोग इससे सबक नहीं लेते। रावण दहन की संख्या बढ़ाने से किसी तरह का फायदा नहीं होगा। लोग इसे मनोरंजन के साधन के तौर पर लेने लगे हैं। हमें अपने धार्मिक पुराणों से प्रेरणा लेनी चाहिए। रावण दहन के साथ दुर्गुणों को त्यागना चाहिए। रावण दहन दिखाने का अर्थ बुराइयों का अंत दिखाना है। हमें पुतलों की बजाय बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में अपराध, बुराई के रावण लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें रिश्तों का खून सबसे अधिक हो रहा है। मां, बाप, भाई, बहन, बच्चों तक की हत्या की जा रही है। दुष्कर्म के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हर साल विजयादशमी में रावण वध देखते हैं तो मन में आस होती है कि समाज में बसे रावण कम होंगे। लेकिन ये तो रक्तबीज के समान है। रावणों की संख्या में बेहिसाब इजाफा हो रहा है। एक कटे सौ पैदा हो रहे हैं। वो तो फिर भी महान था। विद्वान था, नीति पालक था, शूरवीर था, कर्तव्यनिष्ठ था, सच्चा शासक था, अच्छा पति था, अच्छा भाई था, भगवान शिव का उपासक था। सीता का हरण किया, लेकिन बुरी नजर से नहीं देखा। विवाह का निवेदन किया लेकिन जबरन विवाह नहीं किया। एक गलती की जिसकी उसे सजा भुगतनी पड़ी, मगर आज के दौर में हजारों अपराध करने के बाद भी रावण सरेआम सड़कों पर घूम रहे हैं, कोई लाज नहीं, शर्म नहीं।

दशहरे पर रावण का दहन एक ट्रेंड बन गया है। लोग इससे सबक नहीं लेते। रावण दहन की संख्या बढ़ाने से किसी तरह का फायदा नहीं होगा। लोग इसे मनोरंजन के साधन के तौर पर लेने लगे हैं। देश में रावण की लोकप्रियता और अपराधों का ग्राफ लगातार ऊंचा होता जा रहा है। पिछले वर्ष के मुकाबले हर बरस देश के विभिन्न हिस्से में तीन गुणा अधिक रावण के पुतले फूंके जाते हैं। इसके बावजूद अपराध में कोई कमी आएगी, इसके बढ़ते आंकड़े देखकर तो ऐसा नहीं लगता। हमें अपने धार्मिक पुराणों से प्रेरणा लेनी चाहिए। रावण दहन के साथ दुर्गुणों को त्यागना चाहिए। रावण दहन दिखाने का अर्थ बुराइयों का अंत दिखाना है। हमें पुतलों की बजाय बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में अपराध, बुराई के रावण लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें रिश्तों का खून सबसे अधिक हो रहा है। मां,बाप,भाई,बहन,बच्चों तक की हत्या की जा रही है। दुष्कर्म के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

रावण सर्वज्ञानी था, उसे हर एक चीज का अहसास होता था क्योंकि वह तंत्र विद्या का ज्ञाता था। रावण ने सिर्फ अपनी शक्ति एवं स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में सीता का अपहरण अपनी मर्यादा में रहकर किया। अपनी छाया तक उस पर नहीं पड़ने दी। आज का रावण धूर्त है, जाहिल है, व्यभिचारी है, दहेज के लिए पत्नी को जलाता है, शादी की नियत से महिलाओं का अपहरण करता है। इस कुकृत्य में असफल हुआ तो बलात्कार भी। धर्म के नाम पर कत्लेआम करता है, लड़ने की शक्ति उसमें नहीं है, सो दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर चलाता है। नीतियों से उसका कोई वास्ता नहीं है, पराई नारी के प्रति उसके मन में कोई श्रद्धा नहीं। राजा अपने फायदे देख के जनता की सेवा करता है। आज का रावण उस रावण से क्रूर है, खतरनाक है, सर्वव्यापी है। वह महलों में रहता है। गली-कूचों में रहता है। गांव में भी है। शहर में भी है। वह गवार भी है। पढ़ा-लिखा भी है। लेकिन राम नहीं है कि उसकी गर्दन मरोड़ी जा सके। बस एक आस ही तो है कि समाज से रावणपन चला जाएगा खुद-ब-खुद एक दिन। रावण के दुख, अपमान और मृत्यु का कारण कोई नहीं था।

रावण की मृत्यु का मुख्य कारण वासना थी, जो उसके अंतिम विनाश का कारण था। इतिहास इस बात का गवाह है कि कामुक पुरुष (और महिलाएं भी) कभी सुखी नहीं रहे। विपरीत लिंग के प्रति उनके जुनून के कारण कई शक्तिशाली राजाओं ने अपना राज्य खो दिया। रावण ने सीता की शारीरिक सुंदरता के बारे में सुना, फिर उस पर विचार करना शुरू कर दिया और अंततः उस गलत इच्छा पर कार्य करना शुरू कर दिया। और अंत में वासना ही रावण की मृत्यु का मुख्य कारण बनी। लंकापति रावण महाज्ञानी था लेकिन अहंकार हो जाने के कारण उसका सर्वनाश हो गया। रावण परम शिव भक्त भी था। तपस्या के बल पर उसने कई शक्तियां अर्जित की थीं। रावण की तरह उसके अन्य भाई और पुत्र भी बलशाली थे। लेकिन आचरण अच्छे न होने के कारण उनके अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे थे जिसके बाद भगवान ने राम के रूप में अवतार लिया और रावण का वध किया। वाल्मीकि रामायण में रावण को अधर्मी बताया गया है। क्योंकि रावण ज्ञानी होने के बाद भी किसी भी धर्म का पालन नहीं करता था। यही उसका सबसे बड़ा अवगुण था। जब रावण की युद्ध में मृत्यु हो जाती है तो मंदोदरी विलाप करते हुए कहती हैं, अनेक यज्ञों का विलोप करने वाले, धर्म व्यवस्थाओं को तोड़ने वाले, देव-असुर और मनुष्यों की कन्याओं का जहां तहां से हरण करने वाले, आज तू अपने इन पाप कर्मों के कारण ही वध को प्राप्त हुआ है।

रावण के जीवन से हमें जो सीख लेनी चाहिए वह यह है कि हमें कभी भी अपने हृदय में वासना को पनपने नहीं देना चाहिए। किसी भी प्रकार की वासना के लिए हमें लगातार अपने हृदय की जांच करनी चाहिए। अगर है तो उसे कली में डुबा दें। क्योंकि अगर अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो यह हमें पूरी तरह से नष्ट कर देगा। सब कुछ चिंतन से शुरू होता है। आज के लोग इतने शिक्षित और समझदार हो गये है की सबको पता है बुराई और अच्छाई क्या होता है। लेकिन फिर भी दुनिया में बुराइयाँ बढती ही जा रही है।जो सन्देश देने के लिए रावण दहन की प्रथा शुरू किया गया था, वो संदेश तो आज कोई लेना ही नही चाहता।तो फिर हर साल रावण दहन करने से क्या फायदा है। बहुत से लोग इस दुनिया में इतने बुरे है की रावण भी उसके सामने देवता लगने लगे। ऐसे बुरे लोग बुराई के नाम पे रावण दहन करे तो ये तो रावण का अपमान ही है। साथ ही अच्छाई का भी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जलते पुतले पूछते...

घर-घर में रावण हुए,चौराहे पर कंस ।
बहू-बेटियां झेलती, नित शैतानी दंश ।।
मन के रावण दुष्ट का, होगा कब संहार ।
जलते पुतले पूछते, बात यही हर बार ।।
पहले रावण एक था, अब हर घर, हर धाम।
राम नाम के नाम पर, पलते आशाराम।।
बैठा रावण हृदय जो, होता है क्या भान।
मान किसी का कब रखे,सौरभ ये अभिमान।।
रावण वध हर साल ही, होते है अविराम।
पर रावण मन में रहा, सौरभ क्या परिणाम।।
हारे रावण अहम तब, मन हो जब श्री राम।
धीर वीर गम्भीर को, करे दुनिया प्रणाम।।
झूठ-कपट की भावना, द्वेष छल अहंकार।
सौरभ रावण शीश है, इनका हो संहार।।
अंतर्मन से युद्ध कर, दे रावण को मार।
तभी दशहरे का मने, सौरभ सच त्यौहार।।
राम राज के नाम पर, रावण हैं चहुँ ओर।
धर्म-जाति दानव खड़ा, मुँह बाए पुरजोर।।

बेचारा रावण

घटती-घटना
शामलाल कौशल
रोहतक

दशहरे की शाम थी। मैं अपनी पत्नी तथा छोटी पोती कशिश के साथ पुराने आई.टी.आई. ग्राउफंड में रावण,कुंभकर्ण तथा मेघनाथ के पुतले जलने के उत्सव को देखने गया था। पहले श्री रामचन्द्र तथा रावण में, लक्ष्मण तथा मेघनाथ में तथा पिफर कुंभकर्ण में युद्ध होता हुआ दिखाया गया जिसमें रावण, कुंभकर्ण तथा मेघनाथ की मृत्यु के बाद उनके पुतले जल गये। धीरे-2 लोग वहां से जाने लगे। लगभग रावण तथा उसके परिवार के जलने का दशहरे का यह त्योहार समाप्त हो चुका था। कुछ लोग जले हुए इन पुतलों के पास आकर तमाशा देखने लगे और मैं, मेरी पत्नी तथा पोती भी उनमें से ही थे। सबके जाने के बाद जब मैं भी जाने लगा तो

मुझे एक धीमी सी आवाज़ सुनाई दी ''बाऊजी, बाऊजी !'' मैंने पीछे मुड़कर देखा, वहां कोई नहीं था जब चलने लगा फिर वहीं आवाज़ सुनाई दी ''हां बाऊजी जी, यह मैं हीं हूँ रावण। इन्होने बेशक मुझे जला दिया हो, लेकिन सच्ची बात यह है कि मैं मरा नहीं। श्रीरामचन्द्र ने जिस रावण को मारा था, वह तो अकेला था, लेकिन आजकल तो हर घर में रावण मौजूद हैं, उसे मारने के लिये इतने श्री रामचन्द्र कहां से लाओगे। मैं ब्राह्मण कुल में पैदा हुआ तथा पोलस्त्य मुनि का पौत्रा था। मैंने चारों वेदों तथा आठों पुराणों का अध्ययन किया हुआ था। मैं शिवजी का अनन्य भक्त था तथा दस बार अपने सिर उखाड़कर शिवजी को भेंट कर दिये जिन्हें दुबारा आरोपित कर दिया गया जिसके कारण मुझे दशानन अर्थात दस सिरों वाला कहा जाता है। मैंने अपने पराक्रम के द्वारा काल को भी जीत रखा था और अमृतपान भी कर रखा था जिससे मृत्यु भी मुझे पराजित नहीं कर सकती थी मेरे पिता एक मुनि तथा माता राक्षसी थी अतः मैं राक्षस प्रवृति का बना तथा दैत्यराज बन गया। जब श्रीराम, लक्ष्मण तथा सीता वन में भटकते भटकते मेरे राज्य में आये तो मेरी बहन श्रुपणखा लक्ष्मण पर मोहित हो गई जिसने उसके साथ विवाह करने के बदलें में उसकी नाक ही काट ली। क्या कोई भाई अपनी बहन की इस प्रकार से दुर्गति तथा अपमान को सहन कर सकता है। अतः मैंने इसका बदला सीता हरण के द्वारा लिया। आप ही मुझे बताओ कि इस युग में कितनी बहनों का अपहरण, बलात्कार, गैंगरेप हो रहा है, क्या किसी भाई ने मेरी तरह बहन की आबरू बचाने के लिये या फिर अपराधी को सज़ा देने के लिये मेरी तरह जोखिम लिया। मेरे चरित्र पर लोग जितना मर्जी है, लांछन लगायें लेकिन मैंने अपहरण के बाद सीता को अशोक वाटिका में अलग महिला सुरक्षा कर्मियों की देखरेख में रखा और उसे छुआ भी नहीं। आजकल तो कोई लाचार महिला किसी भी पुरुष के हाथ लग जाये उसकी इज़्ज़त आबरू बचने का सवाल ही पैदा नहीं होता। क्या आपने मेरे राज्य में किसी महिला/बेटी के साथ पिता, सुसर, पड़ोसी, शिक्षक, धर्मगुरु या बुजुर्ग के द्वारा बलात्कार/गैंगरेप की बात सुनी है। हद हो गई है भई, मेरे से सीता के अपहरण तथा अपने बल/बुद्धि के अहंकार की गल्ती क्या हो गई जो दुनिया युगों युगांतर से मेरे तथा मेरे पुतलों को जलाकर असत्य पर सत्य की विजय होने का पर्व मना रही है। अगर मेरे में सारे अवगुण ही अवगुण होते तो श्रीराम मेरे मरने से पहले लक्ष्मण को मेरे से शिक्षा लेने के लिये क्यों भेजते। मैं मानता हूं कि मेरे छोटे भाई, विभीषण की श्रीराम में आस्था और श्रद्धा थी। लेकिन उसे तो हर हाल में मेरे साथ होना चाहिये था? अपने कुल के साथ गद्दारी करके श्रीराम का साथ निभाकर मेरे तथा लंका के पतन के लिये बेशक इसे बाद में लंका का राजा बना दिया है, लेकिन इस गद्दारी के लिये उस पर सारी दुनिया आज भी थू-थू करती है। क्या कोई इस बात को सहन करेगा कि कोई भाई अपने भाई/परिवार के साथ विश्वासघात करे। मुझे इस बात की भी हैरानी होती है कि बेशक श्रीराम विष्णु का अवतार थे लेकिन मेरा वध करने के बाद सीता की पवित्राता जांचने के लिये उससे अग्नि परीक्षा कराकर बाद में धोबी के ताना मारने के बाद गर्भावस्था में उसे बालमीकि ऋषि के आश्रम में क्यों छोड़ दिया। श्रीराम के इस दोष के बावजूद भी लोग उनको युगपुरुष/मर्यादा पुरुष के तौर पर पूजते हैं। बेशक मुझे में बहुत दोष थे, फिर भी मुझे जिस तरह हर वर्ष दशहरे पर जलाया जाता है, उससे मेरी आत्मा को पीड़ा होती है। लोग हर साल रामलीला का आयोजन करके कुछ सीखते और सुधरते क्यों नहीं? ये कहकर रावण चुप हो गया। मुझे रावण की इस व्यथा पर तरस तो आया लेकिन मैं बचपन से लेकर अब तक जो कुछ सुनता आया था, रावण के बारे में उस विचार को दिमाग से हटा ना सका। काश! हम रावण की विद्वता,अपनी बहन के प्रति स्नेह/त्याग, कुल के प्रति वफादारी ,परमात्मा ;शिव के प्रति अनन्य भक्ति भावना तथा युद्ध कला के बारे में कुछ सीख सकते।

शक्ति-पूजा का पर्व है दशहरा

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारम्परिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं व मैदानों में मेले लगते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी

दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है।

महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारम्परिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं।

यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलती हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। मूर्ति विसर्जन यात्रा बड़ी दर्शनीय होती है।

कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।

तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। यहां दशहरा बच्चों के लिए शिक्षा या कला संबंधी नया कार्य सीखने के लिए शुभ समय होता है।

कंन्जेशन घटेगा और खर्राटे कम होंगे

फिनोमिना है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर के 45 प्रतिशत वयस्क खर्राटे लेते हैं। इनमें 25 प्रतिशत तो रोजाना। जेन्डर के हिसाब से महिलायें कम, पुरूष ज्यादा खर्राटे लेते हैं और जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, खर्राटे भी बढ़ जाते हैं।कारण क्या खर्राटों का?खर्राटे यानी सोते समय सांस लेने की आवाज। जो आती है सांस की नली में कंजेशन से। जितना ज्यादा कंजेशन उतनी ज्यादा आवाज। आमतौर पर नाक में कंजेशन, गले में सूजन, डैमेज टिश्यू, गर्दन पर ज्यादा चर्बी या मुंह में स्ट्रक्चरल प्रॉब्लम से सांस खुलकर नहीं आती, जिससे सोते समय की आवाजें निकलती हैं।कुछ लोगों को खर्राटे आते हैं स्लीप अपेनिया के कारण। ये जन्मजात बीमारी है। इनके अलावा टॉन्सिल्स में सूजन, तालू में उभार, बड़ी जीभ,गलत पोजीशन में सोना, ज्यादा शराब, स्लीपिंग पिल्स, सेडेटिव्स, मोटापा, एलर्जी और सर्दी से भी लोग खर्राटे लेते हैं।कैसे छुटकारा मिले खर्राटों से?खर्राटों से मुक्ति के लिये पहले उपाय के रूप में सोते समय 4 इंच मोटा तकिया रखकर सोने की आदत डालें। हमेशा करवट लेकर सोयें, हो सके तो बांयी। इससे कंन्जेशन घटेगा और खर्राटे कम होंगे।कुछ लोगों को खर्राटे आते हैं सांस की नली के टिश्यू ढीले होने से। इनकी रिपेयरिंग के लिये प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की नींद लें। जैसे-जैसे टिश्यू रिपेयर होंगे, खर्राटे धीरे-धीरे कम हो जायेंगे। कई बार गले और श्वसन नलिका में सूजन वजह होती है खर्राटों की। इसे दूर करने के लिये रोजाना एक चम्मच शहद खायें। शहद की एंटी-इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टीज, सूजन घटाकर, खर्राटे घटाने में मदद करती हैं।सूजन घटाकर, टिश्यू रिपेयर करने में जिंजर-गारलिक भी कारगर है। खर्राटे कम करने के लिये खाने में इनकी मात्रा बढ़ायें। अगर नॉन वेजीटेरियन हैं तो गर्दन की अतिरिक्त चर्बी हटाने के लिये रेड मीट खाना बंद कर मछली खाना शुरू करें। मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, अतिरिक्त चर्बी हटाने में मदद करता है।

सोने से दो घंटे पहले खाना खाने की आदत डालें। रात में हल्का खाना खायें। सोने से पहले नाक और गला अच्छी तरह साफ करें जिससे कंजेशन घटे और खर्राटों की आवाज कम हो। स्मोकिंग, शराब और सेडेटिव्स को ना कहें। इनसे गले के टिश्यू ढीले जाते हैं जो कारण बनते हैं खर्राटों का।खर्राटे, आदमी खुद चैन से सोता है लेकिन पास वालों का सोना मुश्किल। लोगों के तलाक हो जाते हैं इनकी वजह से। क्यों लेते हैं लोग खर्राटे? क्या ये किसी बीमारी के सिम्पटम हैं या कुछ और। आइये जानें खर्राटों के कारण और छुटकारा पाने के तरीकों को।अगर आप खर्राटे लेते हैं, तो शर्मिन्दा होने की जरूरत नहीं, ऐसा करने वाले आप अकेले नहीं। ये कॉमन

-विष्णु प्रिया सिंह-

चार पहर में

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा, राजस्थान

चार पहर में
दिनकर भी
उजाले का यश
फैलाकर
थक जाता है
समेट फिर अपनी किरणों को
श्रम क्लांत वो
सितारों भरी
रात की चादर ओढ़
सो जाता है ।
फिर से अहन में
यश फैलाने के लिए ....।

अलविदा रतन टाटा आपको आखिरी प्रमाण

घटती-घटना
रविन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर (हिमाचलप्रदेश)

अलविदा रत्न टाटा तुम्हें आखिरी प्रणाम
दे रहा देश तुम्हें नम आंखों से विदाई
कभी भूलेंगे नहीं हम रत्न टाटा भाई
बुझने नहीं देंगे याद करते रहेंगे सदा
जनसेवा की मशाल जो तूने थी जलाई
देशभक्ति का जज्बा दिल में
था कूट कूट कर भरा
गरीबों के उत्थान के लिए
मन सोचता रहता था सदा
न पैसे का घमंड न सत्ता का लालच
दूरदर्शिता से देश को आगे बढ़ाया
जितना कमाया सब देश में लगाया
भारत का नाम सारी दुनियां में चमकाया
कहां मिलेगा तुम्हारे जैसा दयावान
आज दुखी हो रहा होगा भगवान
जो तूने किया वह कोई नहीं कर पायेगा
भूलेगा नहीं रत्न टाटा तुझे कभी हिन्दोस्तान
अलविदा रत्न टाटा तुम्हें आखिरी प्रणाम
लौट कर फिर आना तुम अपने हिंदुस्तान
अधूरे जो रह गए होंगे कुछ सपने
अगले जन्म पूरे कर जाना वह काम
रत्न टाटा तुम्हें आखिरी प्रणाम

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

महानवमी पर शहर में शोभायात्रा निकालकर हुआ जवारा विसर्जन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन नवमीं तिथि पर जवारा विसर्जन कार्यक्रम किया गया। नौ दिनों तक घर में रखे जवारों का विसर्जन मां महामाया मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस दौरान शहर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या श्रद्धालु शामिल हुए। रैली में शामिल भक्तों की आस्था ऐसी दिखी कि देवी मां को खुश करने कोई अपने जीभ में तो कुछ भक्त अपने गाल में लोहे का त्रिशूल आर पार कर झूमते-नाचते मंदिर पहुंचे।

मायापुर चांदनी चौक स्थित देवी धाम से आज दोपहर जवारा विसर्जन के लिए भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान महिला व पुरुष भक्तो ने अपने जीभ में बाना भेदकर शोभायात्रा में शामिल हुए। धाम से निकली शोभायात्रा मायापुर,गुरुनानक चौक,महामाया चौक,समलाया मंदिर होते हुए मां महामाया मंदिर पहुंची जहां जवारा का विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना के साथ विसर्जन किया गया। बताया गया कि मायापुर स्थित देवी धाम पिछले 100 वर्ष से अधिक समय से जवारा रखा जा रहा है तथा परम्परा का निवर्हन पुजारी रामानंद सिंह द्वारा किया जा रहा है। मान्यता है कि इस धाम में देवी का वास श्रद्धालुओं पर होता है तथा श्रद्धालु अपने जीभ में लोहे के बने बाना को जीभ में आरपार कर देवी को खुश करते है।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बाइक चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार श्रीकांत सिंह नारायणपुर जिला जशपुर का रहने वाला है। वह गांधीनगर में रहकर काम करता है। 5 अक्टूबर की शाम को वह बाइक क्रमांक सीजी 15 डीपी 2983 से गांधी स्टेडियम गया था। वह स्टेडियम के बाहर बाइक खड़ी कर अंदर चला गया था। कुछ देर बाद वापस आकर देखा तो उसकी बाइक नहीं थी। वह बाइक चोरी की रिपोर्ट कोतवाली में 9 अक्टूबर को दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले में विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेही शत्रुधन पैकरा उम्र 28 वर्ष निवासी बरगीडीह थाना लुन्ड्रा हाल मुकाम चम्बोथी तालाब अम्बिकापुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपने साथी विद्याधर दास के साथ मिलकर बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। निशानदेही पर पुलिस ने विद्याधर दास उर्फ़ छोटू उम्र 27 वर्ष निवासी असोला समलाईपारा थाना अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महा नवमी के अवसर पर देवी मंदिरों में लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

राजसी परंपरा अनुसार महामाया मंदिर में हुई संधि पूजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी व नवमी की पूजा एक ही दिन की गई। शुक्रवार को शक्तिपीठों के साथ दुर्गा पंडालों में जगत जननी की पूजा की गई। पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ देवी मंदिरों व पंडालों में उमड़ी रही। सुबह से ही मां के दर्शन के लिए लोग कतार में खड़े रहे। महाअष्टमी पर जगह-जगह कन्या भोज का भी आयोजन किया गया।

शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर से चल रही है। श्रद्धालु माता रानी की आराधना में लीन हैं। शुक्रवार को महाअष्टमी व नवमी की पूजा की गई। महाअष्टमी तिथि पर सरगुजा राज परिवार द्वारा कुलदेवी मां महामाया की राजसी परंपरा के अनुसार संधि पूजा की गई। सरगुजा राज परिवार के टीएस सिंहदेव ने पैलेस से मंदिर पहुंचकर पूजा की। इस दौरान उनके भतीजे आदित्येश्वर शरण सिंहदेव भी मौजूद थे। पूजा के दौरान मां महामाया मंदिर का पट बंद हो जाता है। संधि पूजा पूर्ण होने के बाद ही श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का पट खोला गया। महाअष्टमी व नवमी के अवसर पर महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक,संत हरकेवल मंदिर,काली मंदिर,रघुनाथपुर मंदिर,शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ सुबह से लगी रही। लोगों ने विधिविधान से पूजा अर्चना कर अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी व नवमी पर श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन कराया। पूरे नौ दिन के अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों, दंवी पंडालों, घरों में हवन पूजन कर पूर्णाहूति की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन करकार मां का आर्शीवाद लिया। सरगुजा राजपरिवार के मुखिया टीएस सिंहदेव एवं उनके उत्तराधिकारी आदित्येश्वर शरण सिंहदेव द्वारा शनिवार को विजया दशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन रघुनाथ पैलेस में किया जाएगा। राजपुरोहित द्वारा पूजा कराई जाएगी। इसके बाद रघुनाथ पैलेस कचहरी में टीएस सिंहदेव आमजनों से मुलाकात करेंगे एवं नीलकंठ पूजा सम्पन्न होगी। महाअष्टमी व नवमी के अवसर पर शहर व आस-पास के गामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न पंडालों में पहुंच कर मां के दर्शन किए। शहर के विभिन्न जगहों पर आकर्षक पंडाल में मां की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। पंडालों में भी पूजा-अर्चना हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

दशहरा पर आज निकलेगी विशाल शोभायात्रा

अंबिकापुर. प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा के अवसर पर हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। शनिवार को विजयदशमी के दिन कलाकेन्द्र मैदान गांधी चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो महामाया मंदिर तक जाएगी। इस दौरान महामाया मंदिर परिसर में गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। मंच के पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक संख्या मे लोगों से रैली में सम्मिलित होने की अपील की गई है।

इस वर्ष विजयादशमी के दिन 90 फीट के रावण के पुतले का किया जाएगा दहन, जमकर होगी आतिशबाजी

बुराई पर अच्छाई के प्रतीक विजयादशमी अर्थात दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। रावण दहन का कार्यक्रम पीजी कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर में किया जाएगा। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। इस वर्ष 90 फीट के रावण व 50-50 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाना है।

अंबिकापुर निवासी मो. जावेद द्वारा पिछले 15 वर्षों से रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले बनाए जा रहे हैं। इस वर्ष विजया दशमी के अवसर पर विशालकाय रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसकी लंबाई 90 फीट होगी। वहीं कुभकर्ण व मेघनाद के पुतले 50-50 फीट के रहेंगे।

इनके पुतलों को बनाने की तैयारी पिछले कई दिनों से पीजी कॉलेज ग्राउंड में चल रही है। मो. जावेद बताते हैं कि इसे बनाने में पैरा, बांस व कपड़े की आवश्यकता होती है। पीजी कॉलेज ग्राउंट में टेंट लगाकर 15 कारीगरों के साथ वे पिछले 10 दिन से पुतले तैयार किए जा रहे हैं।

भव्य होगी आतिशबाजी

रावण दहन कार्यक्रम के दौरान भव्य आतिशबाजी भी की जाएगी। आतिशबाजी के लिए अलग से टीम रहेगी। रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों में विशेष टीम द्वारा इसे सेट किया जाएगा। वहीं श्रीराम के बाल स्वरूप द्वारा रावण की नाभी में बाण चलाकर उसका अंत किया जाएगा।

आंखों के प्रति सजग रहने बच्चों व युवओं को किया गया प्रोत्साहित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

विश्व दृष्टि अक्टूबर के दूसरे गुरुवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं के माध्यम से अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य नेत्र दृष्टि के बचाव व समय पर उपचार हेतु लोगों को जन जागरुकता लाने शासन स्तर पर प्रयास किया जाता है। इस वर्ष का थीम 'लव यूवोर आई किड्स' है। जिसका मतलब बच्चों एवं युवकों को आंखों के प्रति सजग रहने हेतु प्रोत्साहित करना है। बच्चों को नेत्र स्वास्थ्य एवं दृष्टिदोष से पीड़ित बच्चें को चश्मा पहनने के लिए प्रोत्साहित करना।

10 अक्टूबर को विश्व दृष्टि दिवस के अवसर जिला एवं विकासखंड स्तर पर लोगों को जागरुक किया गया। इस दौरान नेत्र स्वास्थ्य जांच,नेत्र स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा एवं पीड़ित व्यक्तियों को उचित सलाह दिया जा रहा है। साथ ही रैली, भाषण, निबंध प्रतियोगिताा स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। नेत्र सर्जन व नोडल अधिकारी अंधत्व कार्यक्रम डॉ. रजत टोप्पो ने बताया कि आहार में अधिक मात्रा में हरी सब्जी एवं पीले फल व लाल फल को शामिल करें। ऑप्टिक नर्व नुकसान होने से लाइलाज नेत्र की परेशानी हो सकती है, इसलिए धूम्रपान से बचें।

खेल-खेल के माध्यम से बच्चों को दी गई साइबर क्राइम से बचने की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा आयोजित साइबर जागरूकता अभियान के तहत छोटे बच्चों में खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से साइबर अपराधों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को वर्तमान समय के अपराधों से परिचित कराकर साइबर सुरक्षा का महत्व बताते हुए साइबर घटनाओं से सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिताओं के दौरान बच्चों ने खेल में हिस्सा लिया, जिनमें साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर आधारित क्विज़, दौड़, और अन्य मनोरंजक गतिविधियां शामिल थीं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सरल और रोचक तरीके से साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बताया गया। जैसे अपनी गोपनीय जानकारी अन्य व्यक्तियों से साझा न करना, पोक्सो एक्ट सहित बाल संरक्षण अधिनियम की जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग की जानकारी दी गई। आयोजन में बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और उनके बीच साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। बच्चों ने यह सीखा कि इंटरनेट का उपयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और किस प्रकार से सुरक्षित रहना चाहिए। इस दौरान महिला थाना पुलिस टीम, साइबर वॉलंटियर्स श्रुति तिवारी, अतुल गुप्ता, और विक्की गुप्ता शामिल रहे।

सरगुजा फुटबॉल एकेडमी ने न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा को 3-1 गोल से हराकर बना विजेता

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में 2024 के शुक्रवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच अदानी सरगुजा फुटबॉल एकेडमी विरुद्ध न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा के मध्य खेला गया। अदानी सरगजा फुटबॉल एकेडमी की टीम ने न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा को 3-1 गोल से हराकर विजेता बना।

लगभग एक माह से चल रहे सरगुजा संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में 2024 का शुक्रवार को समापन हो गया। फाइनल मैच अदानी सरगुजा फुटबॉल एकेडमी विरुद्ध न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा के मध्य खेला गया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल,लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज व युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर रहे। अतिथियों ने मैच से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद मैच की शुभारंभ की गई। मैच के शुरूआती में अदानी की टीम को एक पेनाल्टी मिला, टीम के खिलाड़ी प्रकाश गुप्ता ने गोलकर 1-0 से बढ़त बना ली। इसके थोड़ी देर बाद ही न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा को भी एक पेनाल्टी मिला टीम के खिलाड़ी नितेश ने बोलकर बराबरी पर ला दिया। इसकेस बाद दोनों टीमों के बीच संघाषपूर्ण मुकाबला चलाता रहा। खेल के अंतिम समय में अदानी सरगुजा टीम की तरफ से प्रकाश गुप्ता और अनिल भूषण ने एक-एक गोल कर टीम को 3-1 से बढ़त बना दी। जो अंतिम क्षण तक बरकरार रहा। इस तरह अदानी सरगजा फुटबॉल एकेडमी की टीम ने न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा को 3-1 गोल से हराकर विजेता बना। मुख्य अतिथियों द्वारा विजेता व उप विजेता टीम को टीम के खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। विजेता टीम को 51 हजार व उप विजेता टीम को 31 हजार रुपए का नकद पुरस्कार व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं मैच के मैन ऑफ द सीरिज प्रकाश गुप्ता, मैन ऑफ द मैच निल भूषण, वेस्ट स्कोरर नितेश गुप्ता न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा, बेस्ट डिफेन्स अजीत सरगुजा फुटबॉल एकेडमी, बेस्ट गोलकीपर फलेन्द्र रहे। जिन्हें अथितियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

स्वैच्छिक संगठनों ने स्व.रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र में स्व. रतन टाटा के निधन के पर संगोष्ठी आयोजित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विद्या दीदी ने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन समाज एवं देश के लिए कम लोग जीते हैं उन्हीं में से एक थे स्व. रतन टाटा। हम सभी को उनके जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। समाजसेविका वन्दना दत्ता ने कहा कि रतन टाटा सदैव देश के लिए सोचे एवं भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किए। वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय ने अपने कहा कि रतन टाटा ने अद्यौगिक जगत में शीर्ष पायदान पर तो थे ही साथ ही सामाजिक क्षेत्र में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। साहित्यकार संतोष दास सरल ने कहा कि विशेष कर हम सभी समाज सेवियों के लिए रतन टाटा जी एक आदर्श के रूप में हैं। युवा समाजसेवी अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि रतन टाटा एक प्रतिष्ठित उद्योगपति के साथ-साथ एक अच्छे इंसान थे।हम सभी के लिए उनका जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। समाजसेवी मनोज भारती, विजय शंकर तिवारी, उमाशंकर पाण्डेय, संतोष तिवारी, आशीष अग्रवाल, विजय उपाध्याय, विशाल शर्मा, सुनिधि शुक्ला, रश्मि सोनी, लक्की तिवारी एवं अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने -अपने विचार व्यक्त किए।

लाओस में पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री से की मुलाकात,व्यापार संबंधों को बेहतर करने पर हुई बात

वियेनतियान,11 अक्टूबर 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लाओस में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने व्यापारिक रिश्तों को बेहतर करने और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ईस्ट एशिया सम्मेलन से अलग हुई।

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि लाओस में थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा से मुलाकात की। थाइलैंड भारत का अभिन्न मित्र है। बैठक के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच व्यापारिक रिश्तों को बेहतर बनाने और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच रक्षा, जहाजरानी, डिजिटल नवाचार आदि क्षेत्रों में भी काफी संभावनाएं नजर आती हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। शिनावात्रा इसी साल थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनी हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि थाईलैंड की प्रधानमंत्री ने भी मोदी को उनके तीसरे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग के तरीकों को लेकर भी बात की। उन्होंने बिम्सटेक के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया। इसके अलावा, नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड की पीएम पैटोंगटार्न शिनावात्रा को लद्दाख की जटिल पोर नक्काशी वाली, रंगीन और कम ऊंचाई वाली लकड़ी की मेज भेंट की।

इससे पहले पीएम मोदी ने लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानदोन के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई, खासकर आर्थिक और रक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर बात हुई।

पीएम मोदी ने कनाडाई प्रधानमंत्री से की मुलाकात

जस्टिन ट्रूडो ने बैठक के बारे में कुछ बताने से किया इंकार

लाआस,11 अक्टूबर 2024। लाओस के दौरे पर गए पीएम मोदी ने वियनतियाने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से आसियान से इतर बैठक की है। बता दें कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच ये बैठक करीब एक साल बाद हुई है, जब कनाडा के पीएम ने भारत पर कनाडा के खालिस्तानी अलगाववादी की मौत में शामिल होने का आरोप लगाया था।

बैठक को लेकर क्या बोले पीएम ट्रूडो?

कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी न्यूज) ने बताया कि पीएम ट्रूडो ने गुरुवार को लाओस के वियनतियाने में आयोजित दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात को संक्षिप्त आदान-प्रदान बताया हैं। सीबीसी न्यूज ने पीएम ट्रूडो के हवाले से कहा, मैंने इस बात पर जोर दिया कि हमें अभी और काम करने की जरूरत है।

ट्रूडो ने बैठक के बारे में कुछ बताने से किया इनकार

जस्टिन ट्रूडो ने वियनतियाने में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने जो बात की, उसके बारे में मैं विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन मैंने कई बार कहा है कि कनाडाई लोगों की सुरक्षा और कानून के शासन को बनाए रखना किसी भी कनाडाई सरकार की मूलभूत जिम्मेदारियों में से एक है और मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

ट्रूडो के आरोप के भारत-कनाडा के संबंध तनावपूर्ण

पिछले साल सितंबर में जस्टिन ट्रूडो की तरफ से 18 जून, 2023 को सरे शहर में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था और जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए दृढ़ता से खारिज कर दिया था।

बैठक से पहले बलूचिस्तान में कोयला खदान श्रमिकों पर हथियारबंद लोगों ने किया हमला,20 की मौत

बलूचिस्तान, 11 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हथियारबंद हमलावरों द्वारा कोयला खदान पर हमले की खबर है। इस हमले में 20 लोगों के मारे जाने और सात अन्य के घालय होने की खबर है। ये हमला तब हुआ है, जब वहां शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक आयोजित होने वाली है। इस बैठक में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग सहित विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष भाग लेंगे।

बलूचिस्तान के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये हमला शुक्रवार सुबह-सुबह बलूचिस्तान के डुकी इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी हमायूं खान नासिर ने कहा कि हथियारबंद लोगों ने यहां की जुनैद कोयला कंपनी में काम करने वाले लोगों के आवास पर धावा बोल दिया, लोगों को घेर लिया और गोलियां चला दीं। अभी इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। गौरतलब है कि हमले के शिकार अधिकांश पुरुष बलूचिस्तान के पश्तून भाषी क्षेत्रों से थे। मृतकों में से तीन और घायलों में से चार अफगान थे।

बता दें कि यह प्रांत उन अलगाववादी समूहों का घर है जो आज़ादी चाहते हैं। वे इस्लामाबाद में संघीय सरकार पर स्थानीय लोगों की कीमत पर तेल और खनिज समृद्ध बलूचिस्तान का गलत तरीके से दोहन करने का आरोप लगाते हैं।

पाकिस्तान में इन दिनों सख्त है सुरक्षा

शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक इस साल पाकिस्तान में आयोजित हो रही है। इस बैठक को लेकर पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां इतनी डरी हुई हैं कि उन्होंने पांच दिनों तक इस्लामाबाद और रावलपिंडी जैसे प्रमुख शहरों में सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 12 अक्तूबर से लेकर 16 अक्तूबर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे और इस दौरान सभी रेस्तरां, शादी हॉल, कैफे और स्नूकर क्लब पूरी तरह से बंद रहेंगे।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने दुर्गा पूजा पंडाल में गाए इस्लामी गीत,हिंदू समुदाय ने आपत्ति जताई

ढाका,11 अक्टूबर 2024। बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की तरफ से हिंदू समुदाय को लगातार परेशान और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाया जा रहा है। इस कड़ी में अब कट्टरपंथियों ने चटगांव शहर में दुर्गा पूजा के मंच पर इस्लामी गीत गाया है। जानकारी के मुताबिक लोगों के एक समूह ने खुद को एक सांस्कृतिक समूह का सदस्य बताया और गुरुवार शाम को चटगांव शहर के जेएम सेन हॉल में गीत गाना चाहा, तो पूजा समिति के सदस्यों ने इसकी अनुमति दे दी।

पहले धर्मनिरपेक्ष गीत गाया, फिर गाए इस्लामी गीत

इसके बाद प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पहले समूह ने एक धर्मनिरपेक्ष गीत गाया, लेकिन दूसरा गीत इस्लामी गीत था। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा पंडाल के मंच से इस्लामी गीत गाने से हिंदू समुदाय और वहां मौजूद हिंदुओं में आक्रोश फैल गया। मामले में पूजा समिति के अध्यक्ष असीस भट्टाचार्य ने बताया, हम मेहमानों के स्वागत में व्यस्त थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने इस्लामी गीत गाना शुरू कर दिया।

उन्होंने कहा, अधिकारियों की तरफ से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जबकि पुलिस ने कहा कि वे घटना की जांच कर रहे हैं। इस मामले में दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

जेशोरेश्वरी मंदिर से चोरी हुआ मां का मुकुट

वहीं इससे पहले गुरुवार को सतखीरा के श्यामनगर में जेशोरेश्वरी मंदिर से देवी काली का मुकुट चोरी होने की खबर मिली थी। यह मुकुट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च, 2021 में मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान भेंट की थी। ये चोरी की वारदात गुरुवार को दोपहर 2.00 बजे से 2.30 बजे के बीच हुई, जब मंदिर के पुजारी दिलीप मुखर्जी दिन भर की पूजा के बाद घर चले गए। एक समाचार पत्र के अनुसार, पुजारी के जाने के बाद में सफाई कर्मचारियों ने पाया कि देवी के सिर से मुकुट गायब था। श्यामनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर तैजुल इस्लाम ने कहा, हम चोर की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।

भारतीय उच्चायोग ने चोरी की घटना पर जताई चिंता

ढाका में भारतीय उच्चायोग ने मुकुट की चोरी की रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की है। उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमने 2021 में बांग्लादेश की अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी की तरफ से जेशोरेश्वरी काली मंदिर (सतखिरा) को उपहार में दिए गए मुकुट की चोरी की रिपोर्ट देखी है। हम गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने, मुकुट को बरामद करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, जेशोरेश्वरी मंदिर भारतीय उपमहाद्वीप में फैले 51 शक्ति पीठों में से एक है। जेशोरेश्वरी नाम का अर्थ है जेशोर की देवी। पीएम मोदी ने 27 मार्च, 2021 को बांग्लादेश की अपनी यात्रा के दौरान जेशोरेश्वरी मंदिर का दौरा किया था।

गाजा में जमीनी कार्रवाई में तीन इस्राइली सैनिकों की मौत

» 10 बिंदुओं में जानिए युद्ध के अहम अपडेट

तेल अवीव, 11 अक्टूबर 2024। गाजा पट्टी में जारी इस्राइली सेना के जमीनी हमले में तीन इस्राइली सैनिकों की मौत हुई है। वहीं इस्राइली सेना के हमले की चपेट में लेबनान में मौजूद संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों का मुख्यालय भी आ गया है, जिसमें दो शांति सैनिक घायल हुए हैं। दुनिया के विभिन्न देशों और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की तीखी आलोचना की है। इस्राइल हमास और इस्राइल हिजबुल्ला युद्ध से जुड़े 10 अहम अपडेट यहां जानिए-

1. शांति सैनिकों के लेबनान स्थित मुख्यालय पर हमले को लेकर इस्राइल ने कहा है कि हिजबुल्ला के उग्रवादी यूएन मुख्यालय के नजदीक ठिकाना बनाए हुए थे। वहीं इटली और अमेरिका ने इस हमले पर नाराजगी जाहिर की है।
2. गाजा के जबालिया में मारे गए तीन इस्राइली सैनिकों का अंतिम संस्कार शुक्रवार को यरूशलम में होगा। इस्राइली सेना ने जबालिया को घेरा हुआ है और वहां हमास के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है।
3. इस्राइली सेना ने कहा है कि उन्होंने गाजा में 20 आतंकियों को निशाना बनाया है।
4. इस्राइल ने कुछ दिनों पहले ही संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों की पोस्ट को अलग जगह शिफ्ट करने की मांग की थी, लेकिन शांति सैनिक मिशन ने इस मांग को खारिज कर दिया था। इस्राइल का कहना है कि उसने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया था।
5. इस्राइली हमले में दो शांतिसैनिक घायल हुए हैं। हालांकि उनकी चोटें गंभीर नहीं हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर है। इंडोनेशिया के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत ने कहा कि इससे पता चलता है कि इस्राइल कैसे खुद को अंतरराष्ट्रीय कानूनों से ऊपर समझता है।
6. इटली के रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति सैनिकों पर हमला युद्ध अपराध श्रेणी में आ सकता है और उन्होंने इसे लेकर इस्राइल से स्पष्टीकरण देने को कहा है।
7. इस्राइल ने हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर वाकिफ सफा को निशाना बनाते हुए बेरूत में दो इलाकों में हवाई हमले किए। हालांकि हिजबुल्ला कमांडर इस्राइली हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा।
8. इस्राइल ने लेबनान सीमा पर अपनी रिजर्व फोर्स के 10 हजार सैनिकों को तैनात कर दिया है। लेबनान में इस्राइली सेना ग्राउंड ऑपरेशन कर रही है। ऐसे में 10 हजार अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती का मतलब है कि आने वाले दिनों में इस्राइली सेना लेबनान में अपने अभियान को और सघन करने जा रही है।
9. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में फलस्तीन के राजदूत ने गुरुवार को सभी देशों से इस्राइल को हथियारों की सप्लाई पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। फलस्तीनी राजनयिक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की कमी की वजह से इस्राइल को युद्ध अपराधों का विस्तार करने का प्रोत्साहन मिल रहा है।
10. इस्राइल के अश्केलोन इलाके में ड्रोन हमला हुआ, जिसके बाद इस्राइल में सुरक्षा अलार्म बज उठे। हालांकि इस्राइली हवाई सुरक्षा ने इस ड्रोन को हवा में ही तबाह कर दिया।

नाटक में हिंसा, नग्नता देखकर सदमे में आए दर्शक

बुलाने पड़े डॉक्टर, दीवानगी ऐसी सारे शो हाउसफुल

बर्लिन,11 अक्टूबर 2024। किसी नाटक का मंचन इतना खतरनाक भी हो सकता है कि उसे देखने के बाद दर्शक सदमे में आ जाएं और उन्हें चिकित्सीय मदद की जरूरत पड़ जाए, ये हैरान करने वाली बात है, लेकिन ऐसा हकीकत में हुआ है। दरअसल जर्मनी के स्टटगार्ट में स्थित ओपेरा में एक नाटक का मंचन किया जा रहा है, इस नाटक में नग्नता, यौन शोषण और हिंसा का ऐसा मंचन किया गया है, जिसे लोग भयावह बता रहे हैं। इस नाटक को देखने के बाद 18 दर्शक बीमार हो चुके हैं और उन्हें चिकित्सीय मदद देनी पड़ी है।

दर्शकों के लिए जारी की गई है चेतावनी

ऑस्ट्रियन कोरियोग्राफर फ्लोरेंटिना होलजिंगर ने इस नाटक का निर्देशन किया है। इस नाटक के पूरे देश में चर्चे हैं और गौरतलब बात ये है कि यह नाटक इतना भयावह और सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने वाला है, इसके बावजूद लोगों में इसे देखने का जबरदस्त क्रेज है और इसके अगले सारे शो के टिकट बिक चुके हैं। जिस ओपेरा में नाटक का मंचन किया जा रहा है, उसके प्रवक्ता ने बाकायदा दर्शकों के लिए चेतावनी जारी की है और अपील की है कि वे नाटक का मंचन देखने से पहले नाटक संबंधी चेतावनी को जरूर पढ़ें, जिसमें बताया गया है कि नाटक में हिंसा, नग्नता, यौन शोषण का चित्रण और तेज संगीत का इस्तेमाल किया गया है।

विवादित नाटकों के मंचन के लिए जाने जाते हैं फ्लोरेंटिना होलजिंगर

ऑस्ट्रियन कोरियोग्राफर फ्लोरेंटिना होलजिंगर मानवीय संवेदनाओं को उद्वेलित करने वाले और सामाजिक बंधनों को तोड़ने वाले नाटकों का निर्देशन करने के लिए जाने जाते हैं। जिनमें हिंसा, नग्नता और शोषण का हैरान करने वाला चित्रण किया जाता है। पहले भी कई बार उनके द्वारा निर्देशित नाटकों को लेकर विवाद हो चुका है। होलजिंगर का यह नाटक पॉल हिंडेमिथ के नाटक सेंक्टा सुसैना पर आधारित है और उस नाटक पर भी खूब विवाद हुआ था। हिंडेमिथ के नाटकों पर ईसाई पादरियों ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी और उन पर चर्च के अपमान का आरोप भी लगा था।

इस्राइल-ईरान तनाव के बीच पुतिन ने की ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात

पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा

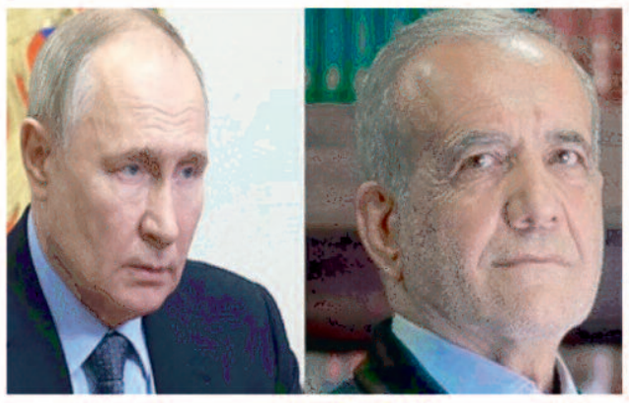

मॉस्को, 11 अक्टूबर 2024। शुक्रवार को तुर्कमेनिस्तान में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर चर्चा की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब इस्राइल ईरान के बीच तनाव चरम पर है। एक हफ्ते पहले ही रूस के प्रधानमंत्री ने भी ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान और उपराष्ट्रपति रेजा अरेफ से ईरान में मुलाकात की थी।

दोनों नेताओं की मुलाकात के क्या हैं मायने

सोवियत संघ के समय में ईरान और रूस एक दूसरे के कट्टर आलोचक थे, लेकिन मौजूदा समय की बदली परिस्थितियों में दोनों देश करीब आ गए हैं। दोनों देशों पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों ने दोनों देशों को करीब लाने में अहम भूमिका निभाई है। अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ईरान को एक ऐसे ताकतवर देश की जरूरत है, जो उन्हें हथियारों की सप्लाई कर सके। वहीं यूक्रेन युद्ध के चलते अलग-थलग पड़े रूस को ईरान के रूप में एक मजबूत सहयोगी मिला है।

सीरिया में भी दोनों देशों के साझा हित हैं और रूस सीरिया की मौजूदा सरकार को सत्ता में बने रहने में मदद कर रहा है। वहीं ईरान की सरकार का भी सीरियाई सरकार को समर्थन है। इस्राइल द्वारा सीरिया पर हमले किए जा रहे हैं। पश्चिमी देश भी सीरिया की मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना चाहते हैं। ऐसे में सीरिया के मुद्दे पर ईरान और रूस एक पेज पर हैं। दोनों देशों के बीच नजदीकी की ये भी एक वजह है।

इस्राइल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। बीते दिनों ईरान द्वारा इस्राइल पर हवाई हमला किया गया था। जिसके बाद इस्राइल ने जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी थी। अमेरिका ने भी इस्राइल का समर्थन करने का एलान किया है। ऐसे में ईरान भी रूस के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है ताकि युद्ध की स्थिति में हथियारों की आपूर्ति की समस्या न रहे। गौरतलब है कि आज ईरान रूस से हथियारों का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध में ईरान ने रूस को बड़े पैमाने पर ड्रोन्स की सप्लाई की है। दोनों देशों के बीच हथियारों की बड़ी डील हुई हैं।

यही वजह है कि पश्चिम एशिया में जिस तरह के तनावपूर्ण हालात हैं, उन्हें देखते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान की मुलाकात की खूब चर्चा हो रही है।

विजयादशमी पर्व पर यातायात सुगम बनाने पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवॉयजरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

विजयादशमी के अवसर पर 12 अक्टूबर को आम जनता को यातायात के संबंध में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए सरगुजा पुलिस ने ट्रैफिक एडवॉयजरी जारी की है। दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी वाहनों के लिए नो एंट्री जारी की गई है।

मनेन्द्रगढ़ रोड़, बनारस रोड की ओर से आने वाली सभी यात्री बसें एवं अन्य फोर व्हीलर वाहन डायवर्ट मार्ग सांई मंदिर तिराहा, महापौर मार्ग, रावत रेसीडेंसी तिराहा, कन्या परिसर मोड़, कन्या परिसर रोड़ होते हुए गंगापुर मोड़ मासूम अस्पताल के पास रिंग रोड़, बस स्टैण्ड होते हुए अपने-अपने गंतव्य स्थान की ओर जाएंगे। गढ़वा रोड़, प्रतापपुर रोड़ की ओर से आने वाली सभी यात्री बसें एवं अन्य फोर व्हीलर वाहन डायवर्ट मार्ग रिंग रोड का प्रयोग करते हुए प्रतापपुर चौक, लरंगसाय चौक, चांदनी चौक, सद्भावना चौक, भारत माता चौक, बस स्टैण्ड की ओर से होते गंतव्य की ओर जाएंगे। रायगढ़ रोड, बिलासपुर रोड की ओर से आने वाली सभी यात्री बसे एवं अन्य फोर व्हीलर वाहन डायवर्ट मार्ग रिंग रोड का प्रयोग करते हुए भारत माता चौक, बिलासपुर चौक, नया बस स्टैण्ड, मासूम अस्पताल के पास गंगापुर मोड़, माखन विहार तिराहा एमजी रोड की ओर से होते हुए गन्तव्य की ओर जाएंगें। आपातकालीन सेवा संबंधी वाहन को अंबिकापुर शहर आने एवं बाहर जाने के लिए छूट दी गई है।

स्थल क्रमांक पी-1 व्हीआईपी पार्किंग, मंच में बैठने वाले सभी व्हीआईपी, निर्धारित पासधारी के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-2 हॉकी मैदान, ड्यूटी में कार्यरत सभी अधिकारी व कर्मचारियों हेतु वाहन पार्किंग स्थल। पी-3 पीजी कॉलेज मुख्य प्रवेश द्वार के अंदर पार्किंग में ड्यूटी में कार्यरत सभी अधिकारी-कर्मचारियों हेतु वाहन पार्किंग स्थल। पी-4 बीटीआई मैदान में मीडिया संस्थान के सदस्यों के वाहन हेतु एवं आकाशवाणी चौक से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-5 नवापारा चर्च के सामने मैदान में आकाशवाणी चौक से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-6 सेंट जेवियर स्कूल मैदान में आकाशवाणी चौक से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-7 बनारस रोड स्थित आलोक दुबे के प्लाट के बगल में बनारस रोड की ओर से आने आम जनता के टू-व्हीलर वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-8 पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान प्रवेश द्वार रिंग रोड में रायगढ़ रोड़, बिलासपुर रोड एवं शहर के अन्य मार्गों की ओर से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-9 किसान राइस मिल में मनेन्द्रगढ़ रोड़ की ओर से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-10 राजमोहनी देवी भवन के आगे एवं पीछे मैदान में अंबिकापुर की ओर से आने वाले आम जनता के वाहन हेतु पार्किंग स्थल। पी-11 कलाकेन्द्र मैदान रिजर्व है।

CMYK

दशहरा भारत में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। दशहरे पर भगवान राम की पूजा की जाती है और दशहरे का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। पूरे देश में लोग दशहरा को बड़े उत्साह और समर्पण के साथ मनाते हैं। हर कोई इस त्यौहार का बेसब्री से इंतज़ार करता है। भारत के कुछ क्षेत्रों में दशहरा को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। इस ब्लॉग में आप दशहरा क्यों मनाया जाता है और इसका इतिहास जानेंगे। दशहरा को हिंदू धर्म में विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। उत्तर या पश्चिमी भारत के अधिकांश राज्यों में दशहरा भगवान राम के सम्मान में मनाया जाता है। दशहरे के पीछे की कहानी भगवान राम की रावण पर विजय को दर्शाती है। यह त्योहार हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार अश्विन महीने के 10वें दिन पड़ता है।

दशहरा क्यों मनाया जाता है?

जब दशहरा या विजयादशमी की बात आती है, तो इसके बारे में कई कहानियां हैं कि कैसे यह त्योहार पूरे भारत में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, उत्तर या पश्चिमी भारत के अधिकांश राज्यों में दशहरा भगवान राम के सम्मान में मनाया जाता है। दशहरे के पीछे की कहानी भगवान राम की रावण पर विजय को दर्शाती है। यह दिन राम लीला के अंत का भी प्रतीक है ङ्क राम, सीता और लक्ष्मण की कहानी का पुनर्कथन।

दशहरा का इतिहास क्या है?

रामायण के अनुसार भगवान राम ने रावण का वध कर बुराई पर विजय प्राप्त की। इस दिन को मनाने के लिए लोग विजयादशमी या दशहरा उत्सव मनाते हैं और पूरे देश में दशहरा उत्सव मनाया जाता है। हर साल नवरात्रि के समापन पर विजयादशमी का त्योहार या दशहरा मनाया जाता है। दशहरा को 10 सिर वाले रावण पर विष्णु अवतार राम की जीत के रूप में मनाया जाता है।

दशहरा का महत्व क्या है?

दशहरा गांव में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार भगवान राम की रावण पर विजय के रूप में मनाया जाता है। इसे राक्षस महिषासुर पर देवी दुर्गा की विजय के लिए भी जाना जाता है। कई स्थानों पर इस दिन बुराई के विनाश का संकेत देने के लिए आतिशबाजी के साथ रावण के पुतले जलाए जाते हैं। दशहरा या विजयदशमी भगवान राम की विजय और दुर्गा पूजा के रूप या फिर यह शक्ति-पूजा का पर्व है।

दशहरा कब मनाया जाता है?

दशहरा का त्यौहार हिंदू लूनिसोलर कैलेंडर के अनुसार अश्विन या कार्तिक माह में 10वें दिन मनाया जाता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक सितंबर-अक्टूबर माह से मिलता-जुलता है। यह त्योहार नवरात्रि में दुर्गा पूजा के दसवें दिन और दीपावली से 20 दिन पहले मनाया जाता है।

रावण दहन के लिए मिलेगा बस इतना टाइम,नोट कर लें मुहूर्त और विधि

दशहरे का दिन वह दिन है,जब देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था और भगवान श्रीराम ने रावण को परास्त किया था। यह हर साल नवरात्रि के अगले दिन यानी आश्विन मास में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इसे अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में मनाते हैं। इसलिए इसे विजयादशमी कहते हैं। दशहरे के दिन रावण का पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है, जिसे रावण दहन कहते हैं। कहते हैं, यह रिवाज हजारों सालों से बदस्तूर चलता आ रहा है। यह कल शनिवार 12 अक्टूबर को है। आइए जानते हैं, रावण दहन का महत्व क्या है और दशहरे के दिन पुतला दहन का मुहूर्त क्या है?

दशहरा के दिन जरूर करें ये 6 उपाय,जीवन में सभी काम होंगे सफल!

हिन्दू धर्म में दशहरा का पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंका नरेश दशानन रावण का वध किया था। इस उपलक्ष्य में हर साल दशहरा मनाया जाता है। दशहरा के दिन दान करने का भी विधान है। दशहरा के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधिपूर्वक भगवान श्रीराम की पूजा की जाती है और और गरीबों और जरूरमंदों को दान दिया जाता है।

दशहरा के दिन कर लें ये 6 उपाय

1-दशहरा के दिन रोग से मुक्ति पाने के लिए सुंदरकांड का पाठ करें. इसके अलावा, एक नारियल हाथ में रखकर हनुमान चालीसा का दोहा नासे रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमान बीरा पढ़कर रोगी के सिर के ऊपर से सात बार घुमाएं। इसके बाद नारियल को रावण दहन में फेंक दें। ऐसा करने से सभी तरह की बीमारियां खत्म हो जाती हैं।

2- व्यापार-कारोबार में उन्नति पाने के लिए दशहरे के दिन पीले वस्त्र में नारियल, मिठाई, जनेऊ किसी ब्राह्मण को दान करें। इससे मंद पड़े व्यापार में फायदा पहुंचेगा और आर्थिक लाभ पहुंचता है और कारोबार में तरक्की के रास्ते खुल जाते हैं।

3- यदि आपकी कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या है तो इससे राहत पाने के लिए दशहरे के दिन शमी पेड़ के नीचे तिल तेल का 11 दीपक जलाएं और प्रार्थना करें। इससे शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव से राहत मिलेगी।

4- ऐसी मान्यता है कि सबसे बड़ा दान गुप्त दान होता है. इसलिए दशहरे के दिन गुप्त तरीके सें किसी ब्राह्मण या किसी असहाय को अन्न, वस्त्र या मूल्य दान करें। इससे दरिद्रता समाप्त हो जाएगी। साथ ही घर से कलह भी खत्म होता है।

5- दशहरा के दिन रावण का पुतला जलाना भी एक परंपरा है. यह बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यदि आपके आस-पास रावण दहन का आयोजन हो रहा हो, तो उसमें भाग लें। इस क्रिया के माध्यम से आप बुराइयों को समाप्त करने की भावना को जाग्रत कर सकते हैं।

6- यदि आपको धन हानि का सामना करना पड़ रहा है तो दशहरे के दिन किसी मंदिर में झाड़ू का दान कर दें। ऐसा करने से आपको जो भी आर्थिक परेशानियां आ रही हैं वह सभी समाप्त हो जाएंगी। इस उपाय को आपको शाम के समय करना है और जिस समय यह उपाय आप करें उस दौरान मां लक्ष्मी का ध्यान जरूर कर लें।

भगवान राम और दुर्गा माता की भी होती है पूजा

दशहरा पर भगवान राम और माता दुर्गा की पूजा की जाती है, लेकिन आप साथ में भगवान कुबेर और देवी लक्ष्मी की पूजा भी कर सकते हैं. मान्यता है कि भगवान कुबेर और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से आपके घर में कभी भी धन की कमी नहीं होगी। साथ ही आर्थिक स्थिति भी अच्छी बनी रहती है। ऐसा करने से आपके जीवन में समृद्धि और खुशहाली आती है।

रावण दहन 2024 मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 12 अक्टूबर, 2024 को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 13 अक्टूबर को सुबह 09 बजकर 08 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में दशहरे का पर्व शनिवार, 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। प्रदोष काल में रावण दहन किया जाता है। ऐसे में दहन का मुहूर्त इस प्रकार रहने वाला है-

अपराह्ण पूजा का समय- दोपहर 1 बजकर 17 मिनट से दोपहर 3 बजकर 35 मिनट तक

विजय मुहूर्तः दोपहर 2 बजकर 3 मिनट से दोपहर 2 बजकर 49 मिनट तक

रावण दहन मुहूर्तः शाम 5 बजकर 54 मिनट से शाम 7 बजकर 26 मिनट तक

दशहरा का पर्व श्रवण नक्षत्र में मनाया जाता है। ऐसे में श्रवण नक्षत्र 12 अक्टूबर को प्रातः 05 बजकर 25 मिनट पर शुरू होगा। वहीं इस नक्षत्र का समाप्त 13 अक्टूबर को प्रातः 04 बजकर 27 मिनट पर होगा।

दशहरा के दिन न करें ये काम

दशहरा के दिन कई ऐसे काम है, जिसको भूल कर भी नहीं करना चाहिए। इस दिन दूसरे लोगों की बुराई करने से बचना चाहिए, क्योंकि दशहरा असत्य पर सत्य की विजय का त्योहार है। इस दिन से घर में गंदगी नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि नवरात्रि के बाद दीपों का त्योहार दिवाली का आगमन होता है। पशु हो या पक्षी दशहरा के दिन किसी की हत्या न करना चाहिए।

नीलकंठ पक्षी देखना माना जाता है शुभ

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, दशहरे के दिन कुछ कार्यों या संकेतों को बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन पर नीलकंठ पक्षी का दिखाई देना बहुत ही शुभ होता है। साथ ही कई स्थानों पर इस दिन सोना पत्ती बांटने का भी चलन है। इसी के साथ यह भी मान्यता है कि इस दिन पर कोई नई चीज खरीदना शुभ होता है। इसी के साथ दशहरे पर किसी नए काम की शुरुआत करने से उस काम में सफलता मिलती है।

फेस्टिव सीजन के लिए फेस पाउडर चुनते और अप्लाई करते वक्त इन बातों का रखें ख्याल

फेस्टिव सीजन शुरू हो गया है। अभी नवरात्र चल रहे हैं। फिर करवा चौथ आने वाला है। इसके बाद दीपोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में अगर आप भी सबसे सुंदर दिखना चाहती हैं तो आपको छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना पड़ेगा। आपके कपड़ें हो या फिर आपका मेकअप दोनों ही चीजें आपके लुक को रिच दिखाने में मदद करती हैं। ऐसे में बेहद जरूरी है मेकअप के हर एक स्टेप के बारे में सही जानकारी और प्रोडक्ट का सही तरह से इस्तेमाल करना आपको आना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि फेस पाउडर का मेकअप के दौरान कैसे करना है इस्तेमाल और इसे खरीदते वक्त किन बातों का रखें ध्यान।

कॉम्पैक्ट पाउडर क्यों है जरूरी

फेस पाउडर को ही कॉम्पैक्ट पाउडर के नाम से भी जाना जाता है, जो मेकअप का एक जरूरी हिस्सा होता है. मेकअप लंबे समय तक टिका रहे इसके लिए फेस पाउडर जरूर इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर महिलाएं कंफ्यूज रहती हैं कि उन्हें कौन सा पाउडर चुनना चाहिए. आइए जानते हैं इसके बारे में।

स्किन टाइप और कॉम्पैक्ट शेड

अक्सर लोग इस गलतफहमी में होते हैं कि फेस पाउडर जितना महंगा होगा उतना अच्छा होगा, लेकिन ये गलत है। महंगा नहीं बल्कि ये आपकी स्किन टोन से मैच करता हुआ होना चाहिए। ऐसा फेस पाउडर यूज करें जो दिखने में नेचुरल लगे। किसी वजह से स्किन टोन से मैचिंग पाउडर नहीं मिलता, तो ट्रांसल्यूसेंट पाउडर का इस्तेमाल करें।

कितने तरह से होते हैं फेस पाउडर?

मैट पाउडरः जिन लोगों की स्कीन ऑयली होती है उसके लिए ये फायदेमंद है। यह स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल एब्जॉर्ब करने के काम आता है।

लूज पाउडरः यह देखने में बिल्कुल नॉर्मल पाउडर के जैसा ही लगता है और स्किन को इवन कर हल्की चमक देता है।

प्रेस पाउडरः मेकअप के बाद टचअप के लिए इसी पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है।

शीयर पाउडरः इस पाउडर का इस्तेमाल चेहरे को एक्स्ट्रा ग्लो। देने के लिए हमेशा मेकअप के बाद किया जाता है।

कैसे पहचानें सही पाउडर?

अब आप सोच रहे होंगे कि सही पाउडर की पहचान कैसे करें। अच्छी क्वॉलिटी का फेस पाउडर हल्का और सिल्की टेक्सचर वाला होता है। ये आपके चेहरे पर सेट होकर एकदम नेचुरल जैसा लुक देता है। खराब क्वॉलिटी का फेस पाउडर लगाने के बाद चेहरे पर महीन सी रेखाएं नजर आने लगती हैं। साथ ही मेकअप पैची दिखने लगता है।

कॉम्पैक्ट कैसे लगाएं?

अगर आपने सही पाउडर खरीद भी लिया है तो अब आपको इसे सही तरीके से लगाना भी आना चाहिए। कॉम्पैक्ट लगाने से पहले चेहरे पर आइस क्यूब रगड़ लें. इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं और एक्स्ट्रा ऑयल भी हट जाता है। इसके बाद मेकअप ब्रश की फेस पाउडर लगाएं। फेअर स्किन के लिए पिंक अंडर टोन का कॉम्पैक्ट खरीदें, वहीं सांवली रंगत के लिए ऑरेंज अंडर टोन वाला कॉम्पैक्ट पाउडर लें।

क्या कोरिया के जनसंपर्क अधिकारी की जान तनाव की वजह से गई?

जनसंपर्क अधिकारी की मौत बनी चर्चा का विषय,आखिर क्या है जनसंपर्क अधिकारी कोरिया के निधन की वजह?

-विशेष संवाददाता-
कोरिया,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जिला जनसम्पर्क अधिकारी का निधन गांधी जयंती के एक दिन बाद हो गया था जिनके निधन के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है,सूत्रों का कहना है कि जनसंपर्क अधिकारी मुक्ति प्रकाश बेक काफी अनुभवी व काम के प्रति कर्मठ अधिकारी थे,अपने काम को हमेशा ही समय पर और सही तरीके से करने के लिए वह जाने जाते थे,पहले भी कोरिया में जनसंपर्क अधिकारी वह रह चुके थे वहीं वह बलरामपुर में भी जनसंपर्क अधिकारी रहे और कई जिलों में उन्होंने जनसंपर्क का कार्य किया, उनके कार्य से प्रशासन की योजनाएं लोगों तक बहुत अच्छी तरीके से पहुंचती थी और पत्रकारों के बीच भी प्रशासनिक सामंजस्य बैठाने में वह काफी सफल थे,यही वजह थी कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पत्रकारों के बीच भी काफी मधुर संबंध स्थापित किया था,पर वर्तमान में जब उनका निधन रक्त गति रुकने से हुआ तो कई सवाल सामने आए और चर्चा में यह भी है कि उनके ऊपर काम का तनाव था और अधिकारियों की डांट फटकार से वह अशांत थे, 59 वर्ष की उम्र में उनसे उस गति से काम करवाने की जिद अधिकारी बनाए रखे थे जैसा वह कभी पहले किया करते थे,जो सही नहीं था जिस वजह से उनका शरीर और उनका तन मन दोनों ही कार्यों के प्रति जवाबदारी को करने में तनाव ले रहा था और वह तनाव ही उनके निधन का कारण बना ऐसी बात सामने आ रही है पर सवाल यह है कि आखिर यह तनाव अधिकारी क्यों दे रहे थे क्या शासन की योजना व जिले के उच्च अधिकारी इनके निधन का कारण बने?

यदि सूत्रों की माने तो उन्हें 2 अक्टूबर के दिन छुट्टी की जरूरत थी और वह दिन भी छुट्टी का था लेकिन कई शासकीय आयोजन होने के कारण उन्हें छुट्टी नहीं दिया गया वहीं उन्हे किसी ने काफी डांट डपट भी लगाया ऐसा सूत्रों का कहना है। यह घटना ऐसे जगह कुछ लोगों ने देखा था जहां वह उस दिन मौजूद थे और कार्यक्रम को खबर के लिए वह वाच कर रहे थे। सूत्रों की ही माने तो जनसंपर्क अधिकारी मुक्ति प्रकाश बेक की मौत भले ही 3 अक्टूबर को हुई लेकिन उन्हें हार्ट अटैक एक दिन पूर्व 24 घंटे पूर्व आ चुका था ऐसा डॉक्टरों ने बताया था। जांच कहां हुई डॉक्टरों ने जो बताया वह सही है या नहीं इसकी पुष्टि घटती-घटना नहीं करता लेकिन जैसा हल्ला है और अफवाह है उसके अनुसार उन्हे किसी अधिकारी के जिद्दी होने का खामियाजा भुगतना पड़ा और वह उसी का शिकार हो गए ऐसा चर्चा आम है। वैसे बातें काफी हैं और कोई सामने भी नहीं आना चाहता है कुछ कहने लेकिन यह भी अब सुनने में आ रहा है की जल्द ही आक्रोश फूट सकता है और कहीं न कहीं ऐसा संभव होता दिख रहा है। खैर जनसंपर्क अधिकारी की मौत क्यों कैसे हुई यह तो अब शायद ही पता चल सके और उन्हे मानसिक कोई तनाव था किसी अधिकारी से था और वह कौन अधिकारी था यह तो वही बताते यदि वह होते अब वह हैं नहीं तो केवल चर्चाओं से कुछ संभव नही और न ही यदि उनकी मौत की वजह कोई अधिकारी है तो उसे ही कोई सजा या दंड मिल सकता है क्योंकि सबूत कुछ है नहीं।

दशहरा को लेकर कोरबा पुलिस ने 300 पुलिस बल के साथ किया पुख्ता इंतजाम

सुबह 5 से रात 12 बजे तक रहेगा भारी वाहन का आना प्रतिबंधित, जिसके लिये निम्न डायवर्सन पॉइंट बनाया गया है

-संवाददाता-
कोरबा,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला कोरबा में दिनांक 12.10.2024 को दशहरा त्योहार मनाया जाना है जिसके लिये प्रभारी पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा के निर्देशन पर शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाये जाने के उद्देश्य से पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिसमें सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी प्रभारी और कर्मचारी, यातायात बल, नगर सैनिक व वन कर्मी मिलाकर 300 से ज़्यादा अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस के द्वारा एक मैप जारी किया गया है जिसमें बताया गया है की बडी गाडी सुबह 05 बजे से रात 12 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगी। जिसके लिये निम्न डायवर्सन पॉइंट लगाया गया है।

विष्णु के सुशासन में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक और बड़ा कदम

राज्य के चार नवीन मेडिकल कालेज भवन निर्माण के लिए 1020 करोड़ रूपए का ई-टेंडर जारी

24 माह में पूरा होगा निर्माण कार्य, सीजीएमएससी होगी निर्माण एजेंसी

विष्णु के सुशासन में हम जो कहते हैं,उसे कर के दिखाते हैः श्याम बिहारी जायसवाल

-संवाददाता-
रायपुर/चिरमिरी/मनेंद्रगढ़,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य की तरक्की के लिए कृतसंकल्पित हैं। तरक्की और सुशासन का ये सफर स्वास्थ्य सुविधाओं में विकास के बिना अधूरा है। इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और नई सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया है। इसी बात के मद्देनजर मुख्यमंत्री श्री साय की पहल और और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में राज्य के चार नवीन मेडिकल कालेजों के भवन के लिए निविदा जारी कर दी गयी है। राज्य में जांजगीर चांपा, कबीरधाम, मनेंद्रगढ़ और दंतेवाड़ा के गीदम में चार नवीन मेडिकल कालेज बनेंगे। इनकी प्लानिंग, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और निर्माण कार्य के लिए 1020.60 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। 11 अक्टूबर से बिड डाक्यूमेंट आनलाइन उपलब्ध होंगे तथा इन्हें जमा करने की अंतिम तारीख 7 नवंबर होगी।

PRESS NOTICE

NOTICE INVITING e-tender

Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-I) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Janjgir Champa, Kabirdham, Manendragarh and Geedam in Chhattisgarh

Chhattisgarh Medical Services Corporation LTD. (CGMSCL), 4th Floor, CGHB Commercial Complex, South-East Corner, sector 27, Nava Raipur Atal Nagar Chhattisgarh 492201, as Executing Agency for the Construction Of Government Medical Colleges And Allied Infrastructure Development With Services At Four Locations In Chhattisgarh for this Project, invites online bids for Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-I) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Janjgir Champa, Kabirdham, Manendragarh and Geedam in Chhattisgarh through e-tendering from eligible contractors/firms in two bid system for the following work:-

Name and Description of work	Estimated cost (Rs.)	Completion period of Work	Last date to fill/ upload the bid through e- biding	Bid Security amount
Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-I) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Janjgir Champa, Kabirdham, Manendragarh and Geedam in Chhattisgarh	Rs. 1020.60 Crs	24 Months	07.11.2024 Up to 17:00 Hrs.	Rs. 1020.60 Lakhs

The bid document shall be available online from 15.10.2024
Pre-bid Meeting will be on date- 21.10.2024
For submission & other bid details, please refer detailed NIT available on websites www.eproc.cgstate.gov.in, e-Procurement System
Corrigendum/amendments etc., if any, will be notified on these websites only and separate advertisement will not be made for the same CGMSCL reserves the right to accept or reject any application without assigning any reason or incurring any liability whatsoever.

S-41718/3 **Managing Director**

हम जो कहते हैं, वो कर के दिखाते हैः श्याम बिहारी जायसवाल

चार नवीन मेडिकल कालेजों के लिए ई टेंडर जारी होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हम जो कहते हैं उसे कर के भी दिखाते हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने नवीन मेडिकल कालेज की स्थापना करने की घोषणा तो की, लेकिन उसके निर्माण और संचालन को लेकर कोई पहल नहीं की। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार कभी भी विकास की पक्षधर नहीं रही है और सिर्फ खोखले वायदों पर काम करना जानती है। लेकिन प्रदेश के युवाओं के हित में विष्णु के सुशासन में हमारी सरकार लगातार काम कर रही है और अपने वायदों को पूरा कर रही है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बजट में इन मेडिकलव कालेजों के लिए बजट देने की बात कही थी और उन्होंने इसके लिए 1020.60 करोड़ रूपए की राशि को स्वीकृत भी किया है। श्री जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनकी पहली प्राथमिकता प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का इजाफा करना है ताकि राज्य के युवाओं के साथ ही प्रत्येक वर्ग के लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके और स्थानीय लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो सके।

रावण दहन और विसर्जन कुण्ड स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे जनप्रतिनिधि

छात्र और नवयुवक पूजा पंडालों में दे रहे स्वच्छता का संदेश

-संवाददाता-
अनूपपुर,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्री पर्व पर नगर परिषद डूमरकछार क्षेत्र के विभिन्न वार्डो मे मां दुर्गा की प्रतिमाओं को स्थापित किया गया है। जहाँ देखरेख व्यवस्था हेतू परिषद के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। विजयादशमी को मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन के लिए नगर परिषद डूमरकछार द्वारा वार्ड क्रं- 1 मे कुण्ड स्थल बनाया गया है। कुण्ड के चारो तरफ बेरिकेटिंग, लाइटिंग, टेंट तथा अन्य व्यवस्था निकाय के द्वारा की गयी है। वही रावण दहन कार्यक्रम परिषद प्रांगण के समीप हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जाना है जिसको लेकर तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गयी हैं।

कमर्चारियों को मिले निर्देश, शासन के नियमों का हो शख्ति से पालन

11 अक्टूबर को उक्त दोनो स्थलो मे चल रही तैयारियो का निरीक्षण करने निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया, कई सभापति एवं पार्षदगण अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ समस्त आवश्यक विभागों के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। यह सभी आयोजन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झरिया, उपयंत्री शिवराम इंडपाचे, रजनीश शुक्ला एआरआई के सहयोग से निकाय अध्यक्ष एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में शासन के आदेशों के तहत सम्पन्न हो रहा है। निकाय के अध्यक्ष द्वारा व्यवस्थाओ मे लगे सभी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया है कि शासन के नियमों का पालन करते हुए सारी व्यवस्थाएं पूर्ण की जाए जिससे कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत नवयुवक दे रहे स्वच्छता का संदेश

इंदिरा नगर कॉलोनी मे नवयुवको द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत दुर्गा पूजा पंडाल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था के कार्य को संभाला है वहीं उक्त कार्य से लोगो मे स्वच्छता का संदेश पहुंच रहा है। निकाय अध्यक्ष ने इन छात्रों और युवाओं से मिलकर स्वच्छ भारत मिशन के तहत जागरूकता का कार्य करने पर उनका उत्साहवर्धन भी किया। स्वच्छता का संदेश दे रहे नवयुवक अर्जुन सेन, चाहत पाठक, साहिल अंसारी, आर्यन, आदित्य नाहक, अभय गुप्ता, प्रदीप गुप्ता द्वारा किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।

कच्चे मकानों में रह जाएंगी बस यादें,गरीबों के घरों की मजबूत होने लगी हैं बुनियादें

-संवाददाता-
कोरबा,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंतिम छोर के गाँव की अपनी पहचान होती है। शहर से दूर होने के साथ यहाँ की अपनी जीवनशैली होती है। दूर-दूर घर होते हैं। घर पर गाय बकरियां होती है। हरे-भरे पेड़ पौधे होते हैं। छोटी-छोटी बाड़ियाँ होती है,जहाँ पसंद की साग सब्जियां उगाई गई और आसपास मुर्गे-मुर्गियां छोटे चूजे घूमते-फिरते होते हैं। सुबह से शाम तक चहल-पहल होती है। अपनी परम्पराएं, अपनी संस्कृति और मजबूत रिश्ते मगर कच्चे घर होते हैं...इन्हीं पहचान के बीच किसी के टूटे हुए तो किसी के जैसे-तैसे बने मिट्टी और खपरैल वाले घर भी होते हैं। गाँव में किसी के पक्के मकान का होना उनके रसूखदार होने की पहचान हुआ करती थी...क्योंकि गरीबी की वजह से पक्के मकान का सपना अनगिनत ग्रामीणों के लिए महज सपना ही था, खेती-किसानी या फिर पीढ़ी दर पीढ़ी कच्चे मकानों में ही जिंदगी गुजार देने वाले ग्रामीणों ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उनका भी पक्का मकान बनेगा और अपने जीते-जी वे किसी रसूखदारों के बीच पक्के मकान में रह पाएंगे। कुछ ऐसा ही सपना कोरबा जिले के अन्तिम छोर के गाँव पतुरियाडाँड़ में रहने वाले गरीब परिवारों को खुशी और गर्व है कि किसी मजबूत रिश्तों की तरह उनके घरों की बुनियादें भी मजबूत हो रही है और कई मुश्किलों से गुजरी कच्चे मकानों में बस यादें ही रह जाएंगी। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा के अन्तिमछोर के गाँव पतुरियाडाँड़ में रहने वाले गुलाब सिंह अपने तीन बेटों के साथ घर पर रहते हैं। लगभग 60 बसंत देख चुके गुलाब सिंह बताते हैं कि किसी तरह गाँव में खेती किसानी और मजदूरी से घर का खर्च चल जाता था। अब बेटे भी यहीं करते हैं। उनकी कई पीढ़ी गुजर गई पर पक्का मकान बन पाएगा, ऐसा कभी सोचा भी नहीं था। उन्होंने बताया कि उनके कच्चे मकान में जिंदगी कट गई। कच्चे मकान में बारिश के समय बहुत ही ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ा। कभी खपरैल के बीच से टपकते बारिश के पानी में रातों की नींदे खराब हुई तो कई बार नीचे फर्श कीचड़मय हुआ। गुलाब सिंह से बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आने के बाद उन्हें इस बात की चिंता थी कि वास्तव में पक्का मकान बनाने के लिए पैसे मिलेंगे या नहीं। कई बार तो लगता था कि खाते में पैसा नहीं आएगा और पक्के मकान का सपना कभी पूरा नहीं हो पायेगा। गुलाब सिंह ने बताया कि जब खाते में राशि आई तो मकान का सपना हकीकत में बदल गया है। खाते से राशि निकालकर अपनी मकान को मूर्त रूप दे रहा है। गुलाब सिंह ने बताया कि उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधनमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के खाते में पैसा डाला है और यह राशि उनके जैसे गरीब परिवारों के सपनों को सच कर रहा है। उन्होने पीएम आवास के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और अपने सपने के आशियाने को लेकर गौरवान्वित महसूस करते हुए खुशी व्यक्त की।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने चैतुरगढ़ मॉ महिषासुर मर्दिनी माता के दर्शन कर जिले सहित प्रदेश में उन्नति,प्रगति,समृद्धि की कामना

-संवाददाता-
कोरबा,11 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने साथियों व सहयोगियों के साथ चैतुरगढ़ पहुंचकर मॉ महिषासुर मर्दिनी माता के दर्शन व विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर कोरबा जिले सहित प्रदेश में उन्नति, प्रगति, समृद्धि की कामना किया। श्री अग्रवाल ने मॉ महिषासुर मर्दिनी माता के पूजन कर क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, वैभव, ऐश्वर्य व दीर्घायु होने के लिए माता रानी से प्रार्थना किया है। श्री अग्रवाल ने दुर्गा अष्टमी व दुर्गा नवमी के साथ-साथ विजयादशमी पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी है। इस मौके पर महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया, प्रदेश सचिव बी एन सिंह, सांसद प्रतिनिधि विनोद अग्रवाल, पार्षद सुकसागर निर्मलकर, राजेन्द्र सूर्यवंशी, देवीदयाल सोनी, अनुज जायसवाल, गंगाराम भारद्वाज, प्रदीप जायसवाल, कुलदीप सिंह साथ में देवी दर्शन कर पूजा अर्चना किये। श्री अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश मे कहा है कि राम को ज्ञान, सत्य और देवत्व का प्रतीक माना गया है जबकि रावण को अज्ञान, असत्य और दानत्व का प्रतीक माना जाता है। विजयादशमी का यह पर्व ज्ञान की अज्ञान पर, सत्य की असत्य पर, धर्म की अधर्म पर और देवत्व की दानवत्व पर विजय का प्रतीक है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जितेन्द्र प्रसाद गुप्ता पिता रामलखन गुप्ता निवासी गोधनपुर बी0एस0एन0एल टावर के पास अम्बिकापुर,, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 02 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 554/2, 555/2 रकबा क्रमशः 0.01,1/2 एकड़ (653.40 वर्गफीट) 0.02 1/2 एकड़ (1089 वर्गफीट) भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/10/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील **नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर**

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया,छत्तीसगढ

ई-कोड क्र0 ...../अ-0/2023-24

ईश्तहार

सर्वसाधारण ग्राम बैकुण्ठपुर राजस्व, निरीक्षक बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, आवेदक जयप्रकाश पिता प्रेमलाल आयु 41 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम तमजीरा थाना व तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया, छ0ग0 ने आवेदन पत्र अन्तर्गत धरा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता के तहत आवेदन पेश किया है, कि आवेदक की बुआ वसीयतकर्ता श्रीमती इंजोरिया बाई उर्फ अंजोरिया बाई पति हीराराम जाति पनिका निवासी खुटनपारा बैकुण्ठपुर के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा क्रमांक 445/6 रकबा 0.0170 हे0 भूमि ग्राम बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 में स्थित है। जिसे आवेदक के पक्ष में दिनांक 16/05/2024 को वसीयतनामा आवेदक के पक्ष में निष्पादित कर दी गई है। आवेदक की बुआ वसीयतकर्ता की मृत्यु दिनांक 12/07/2024 को हो चुकी है। जिसे आवेदक के पक्ष में दिनांक 16/05/2024 को हो चुकी है तथा पति की भी मृत्यु हो चुकी है तथा उनका कोई पुत्र संतान नहीं है। आवेदक के बुआ के द्वारा निष्पादित वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोईआपत्ति हो तो वे दिनांक 14/10/2024 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 30/09/2024

सील तहसीलदार बैकुण्ठपुर,कोरिया

कार्यालय नगरपालिका परिषद,बिजुरी,जिला अनुपपुर (म0प्र0)

Phone/Fax No.07658-264242 E-mail:cmobijuri@mptenders.gov.in

क्रमांक/ 2333/न.पा/लो.नि./2024 बिजुरी,दिनांक 08/10/2024

ई -निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है:-

क्रं.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2024 UAD 374455_1	CONSTRUC-TION OF CON-VERED RCC DRAIN FROM SANTOSH MOGRE HOUSE TO KALI MANDIR MAIN ROAD AT WARD NO.9	8.73 लाख	8733.00	2000.00	15-10-2024 (17:30HRS)	5th आमंत्रण

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेबसाईट (https://mptenders.gov.in)में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व KEY DATES में देखी जा सकती है।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा,समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बिजुरी
जिला-अनुपपुर (म0प्र0)

संक्षिप्त खेल की खबरें

विराट कोहली ने लगाई दहाड़...बीजीटी में आग लगानी है

नई दिल्ली,11 अक्टूबर 2024। 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत टेस्ट सीरीज खेलेगा, जिसके लिए विराट कोहली वतन लौट आए हैं। इस दौरान कोहली मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए, वहीं कुछ फैन खिलाड़ी के साथ तस्वीर लेते हुए नजर आए तो कुछ उनसे बातचीत करने की कोशिश करते दिखे। इस दौरान एक फैन ने कहा कि बीजीटी में आग लगानी, इस पर विराट कोहली थोड़ा चौंक गाए और हैरान होते हुए सवाल पूछा।

एयरपोर्ट पर गाड़ी में बैठने के दौरान एक फैन ने कहा कि, बीजीटी में आग लगानी है। इस पर कोहली ने पूछा किस किसमें? इस पर फैन ने जवाब दिया, बीजीटी में। जिस पर कोहली ने हां में जवाब देते हुए सहमति जताई।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर हुआ पाकिस्तान

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार

मुल्तान,11 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट फैंस को बड़ा झटका लगा है। मुल्तान में खेले गए पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट मैच खेला गया जिसे इंग्लैंड ने 47 रनों से जीत लिया। वहीं इस हार से पाकिस्तान क्रिकेट टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल खेलने का सपना टूटता दिख रहा है। इंग्लैंड के हाथों मिली हार के बाद पाकिस्तान की टीम इस रेस से बाहर हो गई है।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के कप्तान ने दिखाए आक्रामक तेवर

टीम इंडिया के लिए कह दी ये बात

न्यूयार्क,11 अक्टूबर 2024। बांग्लादेश के खिलाफ भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी महीने टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसे लिए न्यूजीलैंड टीम को भारत दौरे पर आना है, और इस दौरे पर केन विलियमसन की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम को टीम की कमान सौंपी गई है। लेकिन सीरीज से पहले कप्तान टॉम लैथम ने टीम इंडिया को चुनौती दे डाली है।

तीसरे टी 20 मैच में बदलेगी टीम इंडिया

» अब यंग ब्रिगेड देगी बांग्लादेश को चुनौती

हैदराबाद,11 अक्टूबर 2024। बांग्लादेश के खिलाफ खेली जा रही तीन टी 20 मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 12 अक्टूबर को खेला जाना है। इस मैच के लिए अब दोनों टीमें हैदराबाद पहुंच चुकी हैं। भारतीय टीम पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है, लेकिन उसकी कोशिश होगी कि जिस तरह से बांग्लादेश का टेस्ट सीरीज में सफाया किया गया था, उसी तरह टी20 सीरीज में भी किया जाए। इस बीच अगले मुकाबले में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं। लेकिन देखना होगा कि क्या सूर्यकुमार यादव अपने कुछ और खिलाड़ियों पर दांव खेलना पसंद करेंगे।

रवि बिश्नोई,जितेश शर्मा,हर्षित राणा और तिलक वर्मा को नहीं मिला एक भी मैच में मौका

भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज के पहले दो मैचों में टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक ही प्लेइंग इलेवन को मौका दिया। यानी पहले के बाद दूसरे मैच में कोई भी बदलाव नहीं किया। अभी तक रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, हर्षित राणा और तिलक वर्मा को खेलने का मौका ही नहीं मिला है। हर्षित राणा तो अपने इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार ही कर रहे हैं। अब आखिरी मैच में ही पता चलेगा कि क्या राणा को अपना पहला मैच भारत के लिए खेलने का मौका मिलेगा।

बांग्लादेश का अब तक रहा है काफी खराब प्रदर्शन

सूर्यकुमार यादव के पास मौका है कि वे इन सभी युवा खिलाड़ियों को मौका दें, ताकि वे भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पाएं। सीरीज पहले ही जीती जा चुकी है तो नहीं लगता कि सूर्या को ऐसे फैसले लेने में कोई दिक्कत होगी। वहीं बांग्लादेश का प्रदर्शन अभी तक के दो मैचों में ऐसा नहीं रहा है कि जिससे लगे कि वे तीसरा मैच जीत सकते हैं। बाकी खिलाड़ी शानदार खेल दिखा ही रहे हैं। हालांकि आखिरी फैसला तो भी पता चलेगा, जब सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए बीच मैदान में खड़े होंगे। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव, तिलक वर्मा।

तिलक वर्मा और रवि बिश्नोई को मिल सकती है प्लेइंग इलेवन में जगह

तिलक वर्मा पहले इस सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किए गए थे। लेकिन शिवम दुबे के बाहर होने के कारण उन्हें मौका मिला, लेकिन प्लेइंग इलवेन में खेलने वो भी इंतजार कर रहे हैं। वरुण चक्रवर्ती ने तीन साल बाद भारतीय टीम में वापसी की और पहले दो मैचों में उन्होंने इतने कमाल का खेल दिखा दिया कि अब रवि बिश्नोई को भी टीम से खेलने का इंतजार करना पड़ रहा है। संजू सैमसन बतौर सलामी बल्लेबाज उतर रहे हैं, लेकिन वे अब तक उस तरह का प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, जैसा कि उनसे उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में क्या विकेट कीपर बल्लेबाज के तौर पर जितेश शर्मा को फिर से मौका दिया जाएगा। ये देखना भी दिलचस्प होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारत की कप्तानी कौन करेगा

नई दिल्ली,11 अक्टूबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। भारत के लिए ये सीरीज बेहद अहम है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रच दिया। इस बार भारतीय टीम लगातार तीसरी बार सीरीज जीतेगी। लेकिन उससे पहले वह हैरान नजर आ रहे हैं। रोहित शर्मा को पहले गेम में खेलने के लिए संघर्ष करना पड़ा। ऐसे में सवाल उठता है कि रोहित की जगह टीम की कप्तानी कौन करेगा।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट मैच मिस कर सकते हैं। रोहित फिलहाल निजी मसलों से जूझ रहे हैं और अगर मसला नहीं सुलझा तो भारतीय कप्तान पहला टेस्ट मैच मिस कर सकते हैं। सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि पहले मैच में रोहित की जगह कौन कप्तानी करेगा। उनकी कप्तानी कौन करेगा?

पहले मैच में रोहित की जगह कप्तानी के लिए तेज गेंदबाज जसप्रित बोमर प्रमुख उम्मीदवार हैं। बुमराह ने इससे पहले

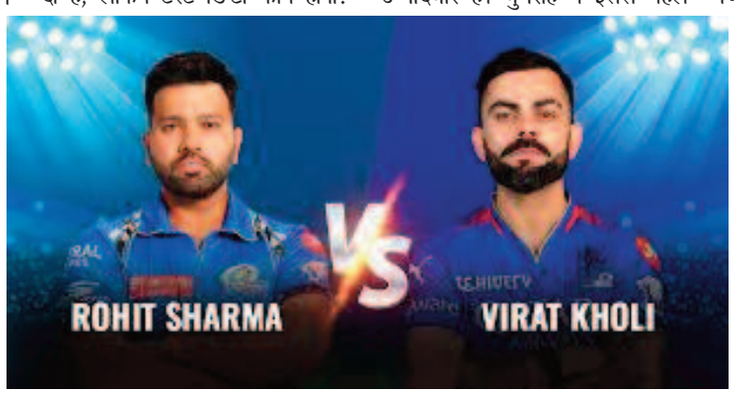

इसका खुलासा नहीं किया गया. ऐसे में हर किसी के मन में यह सवाल है कि अगर रोहित पहले मैच में नहीं खेलेंगे तो 22 नवंबर से प्रेथ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड में एक मैच में इस टीम की कप्तानी की थी. वह काफी बुद्धिमान माने जाते हैं और उन्हें खेल की बहुत अच्छी समझ है. केएल राहुल भी रोहित की जगह कप्तानी के दावेदार हैं. केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट मैच में भारत की कप्तानी की थी. वनडे और टी20 में भी उनके पास ये जिम्मेदारी है. ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि टीम प्रबंधन राहुल के अनुभव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी देता है।

शुबमन गिल को हाल ही में वनडे और टी20 टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था. टीम मैनेजर और चयनकर्ता उन्हें भविष्य के कप्तान के रूप में देखते हैं और सीमित ओवरों में यह जिम्मेदारी देकर उन्हें बढ़ावा देते हैं। आगे देखते हुए, यह गिल की ज़िम्मेदारी हो सकती है। पंत एक समय विराट कोहली के बाद भारत के टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में थे. हालांकि, 30 दिसंबर को एक सड़क दुर्घटना के कारण पंत को क्रिकेट से लंबा ब्रेक लेना पड़ा। वह एक गोलकीपर है और खेल की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझता है।

हेल्मुट मार्को ने बताया,एड्रियन न्यूए ने रेड बुल छोड़कर एस्टन मार्टिन में क्यों कदम रखा

लंदन,11 अक्टूबर 2024। कुछ महीने पहले फॉर्मूला वन की दुनिया तब हैरान रह गई थी जब एफसी-1 डिज़ाइन के दिग्गज एड्रियन न्यूए ने रेड बुल से जाने की घोषणा की थी। उनके इस फैसले के बाद इस बात को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि अंग्रेज़ कहां जाएंगे। शुरुआती अफ़वाहों में न्यूए के फेरारी में शामिल होने की बात कही जा रही थी। कुछ हफ़्ते पहले अफ़वाहों और अटकलों पर तब विराम लग गया जब न्यूए ने घोषणा की कि वह एस्टन मार्टिन एफसी-1 टीम में शामिल हो रहे हैं। अब रेड बुल के सलाहकार हेल्मुट मार्को ने इस बात का खुलासा किया है कि न्यूए ने रेड बुल छोड़कर एस्टन मार्टिन में शामिल होने का फ़ैसला क्यों किया। हेल्मुट मार्को ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें क्यों लगता है कि एड्रियन न्यूए ने रेड बुल छोड़कर एस्टन मार्टिन में शामिल होने का फ़ैसला किया।

माचैक ने अल्काराज को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

शंघाई,11 अक्टूबर 2024। एटीपी टूर पर अपने तीसरे क्वार्टरफाइनल में खेलते हुए, चेक स्टार टॉमस माचैक ने गुरुवार को शंघाई मास्टर्स में वर्ष के फ्रेंच ओपन और विंबलडन विजेता कार्लोस अल्काराज़ की लगातार 12 मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त कर दिया, जिससे वे सेमीफाइनल में पहुंच गए। शंघाई मास्टर्स में अपने क्वार्टरफाइनल में खेल रहे माचैक ने दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी की चुनौती को बेअसर करते हुए 7-6(5), 7-5 से जीत हासिल की। इस मैच में जहां दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन टेनिस खेला, 23 वर्षीय खिलाड़ी ने शीर्ष-5 प्रतिद्वंद्वी (जोकोविच, जिनेवा एसएफ) पर अपनी दूसरी जीत दर्ज करने के लिए एक और गियर पाया। पिछले महीने डेविस कप में अल्काराज़ के साथ अपनी

पहली मुलाकात में चेक खिलाड़ी ने एक सेट की बढ़त हासिल की, लेकिन स्पैनियार्ड द्वारा मैच को बराबर करने के बाद उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, इस बार माचैक ने कोई गलती नहीं की, उन्होंने शानदार शुरूआती सेट में 20 विनर्स लगाए और दूसरे सेट के तीसरे गेम में अल्काराज़ की सर्विस को ध्वस्त कर दिया।

ब्रेक हासिल करने के बाद अल्काराज़ ने वापसी के संकेत दिए, लेकिन चेक खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और एक घंटे और 54 मिनट में जीत दर्ज की, दूसरे सेट में नेट पर 100 प्रतिशत (7/7) अंक जीते, इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार।

अपनी गलतियों को सुधारना चाहते ईशान किशन और श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली,11 अक्टूबर 2024। रणजी ट्रॉफी का 90वां सीजन शुक्रवार से शुरू हो रहा है। ऐसे में अगर मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर चाहते हैं कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर सही राह पर चले तो झारखंड के कप्तान ईशान किशन भी उनके प्रति लोगों की धारणा बदलने की कोशिश करेंगे। चूंकि दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लिया था, इसलिए उन्हें बीसीसीआई के साथ अपना केंद्रीय अनुबंध खोना पड़ा। दोनों सितारों को सलाह देते हुए, बीसीसीआई ने यह स्पष्ट कर दिया कि आईपीएल नीलामी में बिकने वाले खिलाड़ियों को भी देश में क्रिकेट के आधार रणजी ट्रॉफी का सम्मान करना चाहिए। भारतीय टीम का हिस्सा बनने से पहले अय्यर ने 2015-16 रणजी सीजन में 1321 रन बनाए थे. वनडे प्रारूप का महत्व घटने के साथ, अय्यर अपने करियर में एक चौराहे पर हैं और चयनकर्ताओं का ध्यान जल्द ही उनसे हट जाएगा। वहीं, ईशान ने झारखंड की कप्तानी का पद स्वीकार कर मतदाताओं को एक संकेत भेजा है।

कभी पर्दे पर रोमांस तो कभी दिखाई ममता,अमिताभ बच्चन की गर्लफ्रेंड और मां,दोनों रोल में दिखीं ये इकलौती एक्ट्रेस

बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन का स्टारडम किसी से छिपा नहीं है। वो भारतीय सिनेमा पर 50 सालों से ज्यादा वक्त से राज कर रहे हैं। उनकी फैन फॉलोइंग समय के साथ बढ़ती ही गई। देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में उनके चाहने वालों की कमी नहीं है। आज एक्टर अपना 82वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस उन्हें बर्थडे की बधाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर सुपर एक्टिव रहने वाले अमिताभ बच्चन अपनी लाइफ की हर अपडेट साझा करते रहते हैं। वो अपने ब्लॉग के जरिए भी लोगों को कई अहम बातों से रू-ब-रू कराते हैं, लेकिन एक बात ऐसी है जो कम ही लोग जानते हैं। हम एक्टर से जुड़ी एक ऐसी बात लाए हैं जो उनके जबरा फैन को भी शायद ही पता हो।

मां और गर्लफ्रेंड दोनों का निभाया रोल

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन ने अपने सफल और 5 दशक से ज्यादा लंबे करियर में कई हसीनाओं के साथ काम किया। रेखा, जया, हेमा मालिनी जैसी कई दिग्गज एक्ट्रेस के साथ उनके ऑन स्क्रीन रोमांस ने लोगों का खूब मनोरंजन किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक हसीना ऐसी हैं जिन्होंने पर्दे पर अमिताभ बच्चन की गर्लफ्रेंड और मां दोनों का किरदार निभाया है। गर्लफ्रेंड और मां दोनों का किरदार निभाने वाली इकलौती एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि दिग्गज एक्ट्रेस वहीदा रहमान हैं। दोनों की जोड़ी पर्दे पर हिट रही। कई फिल्मों में दोनों साथ काम करते नजर आए। दोनों के करियर में एक ऐसा मोड़ भी आया जब वहीदा को उनकी लीडिंग लेडी नहीं रहीं और उन्हें पर्दे पर एक्टर की मां का रोल निभाना पड़ा।

इन फिल्मों में निभाया मां का रोल

साल 1969 में सात हिंदुस्तानी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अमिताभ बच्चन ने साल 1976 में आई फिल्म अदालत और कभी कभी में वहीदा रहमान के साथ काम किया। दोनों ही फिल्मों में वहीदा अमिताभ बच्चन के साथ पर्दे पर रोमांस करती नजर आई। वो दोनों ही फिल्मों में उनकी प्रेमिका का रोल प्ले कर रही थी। इसके दो साल बाद ही साल 1978 में फिल्म त्रिशूल रिलीज हुई। इस फिल्म में वहीदा रहमान अमिताभ बच्चन की मां निभाती दिखीं। इसके अलावा फिल्म कुली में भी वहीदा रहमान ने अमिताभ की मां का रोल ही अदा किया था। ऐसे में एक नहीं बल्कि दो बार वो पर्दे पर अमिताभ बच्चन की मां के रोल में दिखीं।

मेरे काम को लंबे समय तक याद रखा जाना चहिए : दीपिका सिंह

जब से लोकप्रिय टेलीविजन स्टार दीपिका सिंह ने छोटे पर्दे पर काम करना शुरू किया है, उन्होंने सुनिश्चित किया है कि महिलाएं केंद्र में रहें। अभिनेत्री ने कहा कि मेरा प्रयास रहता है कि मेरे काम को लंबे समय तक याद रखा जाए।महिलाओं को केंद्र में रखकर भूमिकाएं चुनने के बारे में दीपिका ने बताया कि मैं कोई भी भूमिका लेते समय बहुत सतर्क रहती हूं और इसीलिए मैं अपनी परियोजनाओं को चुनने में समय लेती हूं। मेरे द्वारा किए जाने वाले शो या काम का प्रभाव लंबे समय तक होना चहिए और उसे वर्षों तक याद रखा जाना चाहिए।दीया और बाती हम में आईपीएस संध्या राठी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने यह शो सुना, तो मुझे लगा कि मैं इसमें सहज रूप से फिट बैठती हूं। हालांकि यह बेहद ही चुनौतीपूर्ण था, मगर इसने मुझे इसे करने की ताकत दी। मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मेरा किरदार मेरे लिए और ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करने वाली सभी महिलाओं के लिए एक मजबूत संदेश है।35 वर्षीय अभिनेत्री ने मंगल लक्ष्मी के साथ वापसी की, जो छोटे पर्दे पर सबसे लोकप्रिय शो में से एक बन गया है।अभिनेत्री ने कहा, जब आप कोई शो करते हैं, तो आपको नहीं पता होता कि यह अच्छा चलेगा या नहीं। आप दृढ़ विश्वास के साथ इसमें जाते हैं और इससे सर्वश्रेष्ठ पाने की उम्मीद करते हैं। मेरे माता-पिता और मेरे ससुराल वाले धमाकेदार तरीके से वापस आने के लिए उत्सुक थे। उनके आशीर्वाद और मेरी कड़ी मेहनत ने मुझे मेरे प्रशंसकों का प्यार दिया है, जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं।दीपिका ने कहा, मैं खुद को धन्य महसूस करती हूं, और मैं सभी के प्?यार के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखूंगी। किस्मत मदद करती है, लेकिन कड़ी मेहनत के बिना कोई भी चीज लोकप्रियता हासिल नहीं कर सकती। मुझे खुशी है कि हमारे प्रयास रंग ला रहे हैं।नई दिल्ली में जन्मी अभिनेत्री का दृढ़ विश्वास है कि यह शो महिलाओं को सशक्त बनाता है और उनका किरदार आज की दुनिया में गृहिणियों से संबंधित है।उन्होंने कहा, मंगल एक गृहिणी है और वह हर उस चीज के लिए खड़ी होती है, जो सही है। आज की दुनिया में महिलाएं सशक्त महसूस करती हैं, क्योंकि उनका एक हिस्सा किसी भी कामकाजी महिला जितना ही शक्तिशाली है और मंगल के इस किरदार में वह शक्ति है, जो हर महिला की ताकत है।मुझे खुशी है कि इसे व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है।शो की बढ़ती टीआरपी के साथ दीपिका इस बात से खुश हैं कि इसे दर्शकों का इतना प्यार मिल रहा है।मंगल लक्ष्मी कलर्स पर प्रसारित होता है।

तीन युवकों से बरामद हुए 2.27 करोड़ रुपये

- » पुलिस ने पूछा तो बोले- रायपुर में खरीदने जा रहे थे प्रॉपर्टी...
- » पुलिस ने तीन संदिग्ध युवक गगन जैन अमन जैन, और नवीन ठाकुर को हिरासत में लिया
- » कार से 500 रुपये के नोटों की 455 गड्डियां बरामद हुईं, जिनकी कीमत 2 करोड़ 27 लाख...
- » हिरासत में लिए गए आरोपी इस धनराशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके...

कवर्धा, 11 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की चिल्फी पुलिस ने अवैध तरीके से ले जाए जा रहे 2 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये नगद और एक नीली मारुति एस-क्रॉस कार को जब्त करने में सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई के दौरान तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है, जो मण्डला, मध्य प्रदेश के निवासी हैं। इस मामले की जांच को आगे बढ़ाने के लिए आयकर विभाग को भी सूचित किया गया है।

संदिग्ध वाहन की जांच और नगद बरामदगी

यह घटना शुक्रवार की सुबह करीब 9:30 बजे हुई, जब चिल्फी पुलिस ने आबकारी चेकपोस्ट के पास मण्डला की ओर से आ रही नीली मारुति एस-क्रॉस कार को रोका। पुलिस की टीम ने वाहन की गहनता से जांच की, जिसके परिणामस्वरूप डिग्गी से भारी मात्रा में नगदी बरामद की गई। कार में बैठे तीन व्यक्तियों ने अपने नाम गगन जैन (33 वर्ष), अमन जैन (30 वर्ष), और नवीन ठाकुर (25 वर्ष) बताए।गाड़ी की डिग्गी में रखे थैलियों में 500 रुपये के नोटों की गड्डियां पाई गईं। गिनती के दौरान 500 रुपये के 45,500 नोट (455 गड्डियां, प्रत्येक में 50,000 रुपये) बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 2 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये थी। इसके अलावा, संदिग्ध वाहन की कीमत 4 लाख रुपये आंकी गई, जिससे कुल जब्ती की रकम 2 करोड़ 31 लाख 50 हजार रुपये हो गई।

रायपुर में संपत्ति खरीदने का दावा

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे यह राशि रायपुर में एक संपत्ति खरीदने के लिए ले जा रहे थे। हालांकि,उन्होंने इस धनराशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या सबूत प्रस्तुत नहीं किए। बिना दस्तावेजों के इतनी बड़ी रकम का परिवहन अवैध माना जाता है, इसलिए पुलिस ने तुरंत नगदी और वाहन को जब्त कर लिया। आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए चिल्फी थाने में मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जांच के लिए आयकर विभाग को सूचित किया गया है।

सूझबूझ और तत्परता से पुलिस ने कैश का पकड़ा

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में चिल्फी थाना प्रभारी उमाशंकर राठौर के नेतृत्व में उप निरीक्षक राजेश्वर सिंह ठाकुर और पुलिस बल के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने सूझबूझ और तत्परता से इस मामले को अंजाम तक पहुंचाया, जिससे बड़ी मात्रा में अवैध नगदी को जब्त किया जा सका और क्षेत्र में अपराधियों के हौसले को पस्त किया गया।

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए श्रम सम्मान राशि के रूप में 12.34 करोड़ रुपये का आवंटन

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। वन विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए महानवमी पर खुशखबरी है इन कर्मचारियों के लिए श्रम सम्मान राशि के रूप में 12.34 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

श्रम सम्मान राशि का मिलेगा लाभ

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि अब वन विभाग के 6,100 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को प्रतिमाह 4,000 रुपये की दर से श्रम सम्मान राशि का लाभ मिलेगा. यह उनके कठिन परिश्रम का सच्चा सम्मान है.

कर्मचारियों को मिलेगा आर्थिक सहारा

सीएम साय ने यह भी कहा है कि इसी वित्तीय वर्ष में पहले हमने 9.21 करोड़ रुपये की राशि भी आवंटित की थी. हमारी सरकार की इस पहल से इन कर्मचारियों को न केवल आर्थिक सहारा मिलेगा, बल्कि उनकी मेहनत को सम्मान और पहचान भी मिलेगी.

समयमान वेतन का भी दिया गया लाभ

दशहरा और दीवाली त्यौहार से पहले छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को लगातार खुशखबरी मिल रही है. छत्तीसगढ़ के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में वर्षों से सेवा कर रहे 421 अभियंताओं को समयमान वेतन का लाभ भी दिया गया है. अभियंताओं की मांग पर कई सालों से लंबित इस मुद्दे का समाधान कर दगिया गया है. डिप्टी सीएम विजय शर्मा की पहल पर यह आदेश जारी किया गया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

मॉर्निंग वॉक पर शुल्क लेने के प्रस्ताव पर मचा हड़कंप

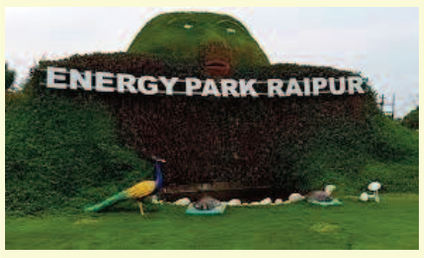

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। वीआईपी रोड स्थित एनर्जी पार्क (शहीद स्मारक वन) में मॉर्निंग वॉक पर लगने वाले 500 रूपए प्रतिमाह के शुल्क के मामले से हड़कंप मच गया। वन विभाग ने मामला संज्ञान में लिया है और रायपुर डीएफओ ने इस आदेश को निरस्त कर दिया। 25 सितंबर को एक प्रस्ताव के माध्यम से वन विभाग ने एनर्जी पार्क में मॉर्निंग वाक करने आने वाले लोगों के लिए 500 रूपए प्रतिमाह शुल्क निर्धारित किया था। पार्क में नियमित रूप से आने वालों के लिए विभाग की ओर से मंथली पास जारी करने की योजना बनाई गई थी और पासधारी व्यक्ति के बिना पास पार्क आने पर प्रतिदिन 20 रूपए का शुल्क निर्धारित किया गया था। यह खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने इस पर संज्ञान लेते हुए इस आदेश को निरस्त कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में विधायकों का यात्रा भत्ता सरकार ने बढ़ाया

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के विधायकों का यात्रा भत्ता बढ़ा कर सीधे दोगुना कर दिया है। इस संबंध में राज्य सरकार के संसदीय कार्य विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। छत्तीसगढ़ के सांसदों को अब यात्रा भत्ता 10 रुपये प्रति किलोमीटर के स्थान पर सीधे 20 रुपये प्रति किलोमीटर मिलेगा। छत्तीसगढ़ विधान मंडल यात्रा भत्ता नियम, 1957 के मुताबिक किसी सदस्य का निवास स्थान रायपुर से 8 किलोमीटर से ज्यादा दूर है, तो सत्र या सम्मेलन में भाग लेने के लिए निजी वाहन से यात्रा करने पर उसे भत्ता दिया जाता है। अभी तक यह 10 रुपये प्रति किलोमीटर था अब उसे बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया गया है।

नगरीय निकायों कर्मचारियों को हर माह के 1 तारीख को मिलेगा वेतन

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दीवाली से पहले एक बड़ी खुशखबरी आई है। सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वेतन भुगतान की तारीख में बदलाव किया है, जिससे अब कर्मचारियों को हर महीने 1 तारीख को वेतन मिलेगा।नगरीय प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी किए हैं।

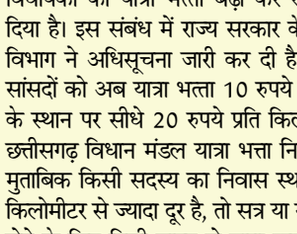

हाईकोर्ट का फैसला:स्टाफ नर्स के तबादले पर लगाई रोक

» कोर्ट ने कहा- बच्चों के शैक्षणिक सत्र के बीच न हो स्थानांतरण

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शासकीय कर्मचारी और अधिकारियों के हित में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस पीपी साहू की सिंगल बेंच ने स्टाफ नर्स सरस्वती साहू की याचिका पर सुनवाई करते हुए स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस पीपी साहू ने फैसले में कहा कि यदि बहुत जरुरी ना हो तो शैक्षणिक सत्र के बीच में ऐसे कर्मचारी और अधिकारी जिनके बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, उनका स्थानांतरण ना किया जाए. इस फैसले से उन सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके बच्चे शैक्षणिक सत्र के दौरान पढ़ाई कर रहे हैं।

सरस्वती साहू, जो बालोद जिले के पीपरछेड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। जिनका डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर में स्थानांतरित कर दिया है। जिसको लेकर नर्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में हुई. याचिकाकर्ता के वकील संदीप दुबे ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता स्टाफ नर्स के दो पदों में से वर्तमान पदस्थापना स्थान पर कार्यरत एकमात्र स्टाफ नर्स है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालोद ने 7.10.2024 को संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय को पत्र लिखा जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता के स्थानांतरण के बाद उसके स्थान पर किसी अन्य स्टाफ को नहीं रखा गया है. इससे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उचित और सुचारू संचालन प्रभावित हो रहा है।

बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा असर

याचिकाकर्ता के दो बच्चे स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, बालोद, जिला-बालोद में कक्षा-10 वीं और 6 वीं में पढ़ रहे हैं. याचिकाकर्ता का स्थानांतरण शैक्षणिक सत्र के मध्य में हुआ है, इसलिए उन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. उन्होंने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता का एक बच्चा कक्षा-10वीं में पढ़ रहा है, जो कि बोर्ड परीक्षा है. अधिवक्ता संदीप दुबे ने स्कूल शिक्षा निदेशक बनाम ओ. करुप्पा थेवन मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसकी रिपोर्ट 1994 एससीसी सप्लीमेंट (2) 666 में दी गई है.

राज्य शासन के अधिवक्ता ने दिया ये तर्क

राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय के विधि अधिकारी ने कहा कि याचिकाकर्ता मेडिकल कॉलेज का कर्मचारी है। उसे शिक्षा विभाग में पदस्थ किया गया था। याचिकाकर्ता के अनुरोध पर उन्हें स्वास्थ्य सेवा विभाग में पदस्थ किया गया था. अब उन्हें उनके मूल विभाग में वापस भेज दिया गया है. याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दुबे ने कोर्ट से मांग की कि याचिकाकर्ता ने 4.10.2024 को भी अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है. लिहाजा अभ्यावेदन पर निर्णय होने तक याचिकाकर्ता का स्थानांतरण ना किया जाए।

कोर्ट ने अपने फैसले में ये कहा

मामले की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में हुई. हाई कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा है कि स्थानांतरण करते समय, इस तथ्य को उचित महत्व दिया जाना चाहिए कि कर्मचारी के बच्चे पढ़ रहे हैं, यदि सेवा की अनिवार्यताएं तत्काल नहीं हैं. इस टिप्पणी के साथ स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है.। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सचिव स्वास्थ्य सेवाएं के समक्ष 10 दिनों की अवधि के भीतर नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. यदि याचिकाकर्ता अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है, तब सचिव स्वास्थ्य सेवाएं को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को ध्यान में रखते हुए, कानून के अनुसार चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेना होगा. अभ्यावेदन के निराकरण तक स्थानांतरण आदेश पर कोर्ट ने रोक लगा दी है।

बुलडोजर चला अवैध कॉलोनी पर

एसडीएम ने की कार्रवाई

बिलासपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) बिलासपुर पीयूष तिवारी और नायब तहसीलदार राहुल शर्मा की टीम ने ग्राम पंचायत महमंद में खसरा नंबर 151/217 पर हो रहे अनधिकृत विकास और अवैध कॉलोनी निर्माण पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की।

एसडीएम तिवारी ने बताया कि अवैध प्लॉटिंग की सूचना मिलने के बाद नायब तहसीलदार द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जांच में यह पाया गया कि भूमि के विभाजन के लिए नगर एवं ग्राम निवेश विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इसके अलावा, इस भूमि पर किसी भी प्रकार का आंतरिक या बाह्य विकास कार्य–जैसे सड़क निर्माण, समतलीकरण, बाउंड्रीवाल, नाली, या उपखंडों का चिन्हांकन–सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना किया जा रहा था। यह भूमि छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत व्यपवर्तित भूमि नहीं है। इसके बावजूद, कॉलोनी बनाने वाले व्यक्ति ने कॉलोनाइजर के रूप में सक्षम अधिकारी से पंजीयन भी नहीं कराया था।

इन उल्लंघनों पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने भूमि स्वामी हुसैन अली को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक जवाब और विधिक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर, अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।

एके-47 को स्नाइपर हथियार बना रहे नक्सली,पुलिस का खुलासा

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सरहद पर हुई मुठभेड़ में पुलिस ने एलएमजी एके-47, इंसास समेत कुल 16 हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ हथियार नक्सलियों ने सुकमा जिले के पिडमेल और दंतेवाड़ा जिले के गीदम थाने पर हमला कर जवानों से लूटे थे। पुलिस अफसर हथियारों की हिस्ट्री खंगाल रहे हैं। इस मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए थे। इनमें से कुछ हथियारों को नक्सली स्नाइपर में बदले दिए थे, जिसमें 4एक्स जूम लगाए थे, जिसकी रेंज 1200 मीटर है। दरअसल, साल 2016 में नक्सलियों ने सुकमा जिले के पिडमेल-पोलमपल्ली के बीच एसटीएफ के जवानों पर हमला किया था। इस हमले में एसटीएफ के 7 जवान शहीद हुए थे, जबकि 8 से 10 जवान घायल थे। हमले के बाद नक्सलियों ने जवानों से एके-47 समेत गोलियां लूट ली थी। इसके बाद ये हथियार नक्सलियों की कंपनी नंबर 6 को दिया गया था। जिसका इस्तेमाल नक्सली जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए करते थे। वहीं अब 4 अक्टूबर को थुलथुली में जवानों ने नक्सलियों को उनके गढ़ में घुसकर घेरकर मारा है। यहां से स्त्रक्ष जवानों से लूटा हुआएच-47 जवानों ने बरामद कर लिया। नक्सलियों ने इस पर 4एक्स जूम लगा कर इसे स्नाइपर बना दिया था। बताया जा रहा है कि स्नाइपर का रेंज करीब 1200 मीटर तक है,जिससे किसी एक जगह पर बैठकर टारगेट किया जा सकता है। हालांकि, अब पुलिस ने इसे बरामद कर लिया है।

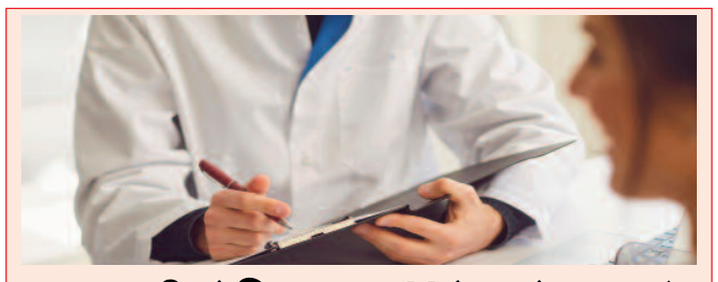

सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रों की निजी प्रैक्टिस पर लगा प्रतिबंध

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र पाठ्यक्रम अवधि के दौरान निजी प्रेक्टिस, सेवा अथवा नौकरी नही कर पाएंगे।

चिकित्सा शिक्षा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश नियम एवं विवरणिका 2021 अनुसार इसको प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश के अंतर्गत सभी चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं और प्राचार्य दंत चिकित्सा महाविद्यालय को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं इस नियम का कड़ाई से पालन करें।इसी के साथ ही सभी छात्र-छात्राओं से इस संबंध में एक शपथ पत्र प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये गये है। जो इस बात का आश्वासन देगा कि वे अपनी पाठ्यक्रम अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अनाधिकृत निजी प्रेक्टिस, सेवा अथवा नौकरी नही करेंगे।

गिरफ्त में आए सट्टा किंग को लेकर राजेश मूणत का बड़ा बयान

रायपुर, 11 अक्टूबर 2024 (ए)। महादेव सट्टा ऐप के मुख्य सरगना तक पहुंचने में पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। सूत्रों के हवाले से मिल रही ख़बरों के मुताबिक़ उसे दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया यह भी जा रहा है कि, सरगना सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी में भारतीय विदेश और गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका रही है। हिरासत में लिए जाने के बाद अब उसे भारत लाये जाने की कवायद भी शुरू हो गई है। वहीं, अब इस मामले में पूर्व मंत्री और वर्तमान भाजपा विधायक राजेश मूणत का बड़ा बयान सामने आया है। सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी पर बयान देते हुए राजेश मूणत ने कहा कि, महादेव ऐप से जुड़े लोगों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। प्रदेश सरकार महादेव सट्टा ऐप से जुड़े लोगों के खिलाफ जो कार्रवाई कर रही है उसी का नतीजा है कि, आज इस ऐप का मुख्य सरगना गिरफ्तार हुआ है। सौरभ चंद्राकर की धरपकड़ के लिए प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी के अनुरोध पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया थी। यूएई के अधिकारियों ने भारत सरकार और सीबीआई को सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दी है जिसके बाद उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी शरू कर दी गई हैं। बताया जा रहा है कि, सभी औपचारिकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया पूरी कर ÷प्रोविजनल अरेस्ट÷ के बाद उसे भारत लाया जाएगा।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला,कहा हर एक संस्था को देनी होगी जानकारी

बिलासपुर, 11 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आरटीआई के संबंध में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने बिलासपुर के कुदुदंड स्थित चर्च चर्च ऑफ ख्राइस्ट मिशन से संबंधित एक मामले में कुछ इस तरहह की व्यवस्था दी है। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने संस्था को निर्देशित किया है कि अगर कोई व्यक्ति सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत विधिवत आवेदन पेश करता है तो उसे जानकारी देनी होगी।

संस्था ने यह कहते हुए जानकारी देने से इंकार कर दिया था कि उसे केन्द्र व राज्य शासन से किसी तरह का कोई अनुदान नहीं मिलता है। जानकारी मांगने वाला व्यक्ति संस्था से संबंधत नहीं है। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अधिनियम 2005 के तहत कोई जानकारी मांगता है तो इस अधिनियम के अंतर्गत याचिकाकर्ता सोसायटी सूचना देने के लिए उत्तरदायी होगी।

आय-व्यय का मांगा था ब्यौरा

चर्च ऑफ ख्राइस्ट मिशन द्वारा कुदुदंड बिलासपुर से संचालित अलग-अलग प्राथमिक शाला और शेफर स्कूल के आय-व्यय का ब्यौरा लेने संस्था के बाहर के एक व्यक्ति ने आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी। इसे संस्था ने देने से यह कहकर इंकार कर दिया था कि यह कोई शासकीय संस्थान नहीं है। इसके अलाव इसे कोई अनुदान भी नहीं मिलता है। बाद में शिकायतकर्ता का निधन भी हो गया।

जुर्माना लगाया था 10 हजार

संस्था द्वारा सूचना नहीं प्रदान करने पर संस्था के बाहर के सदस्यों ने सूचना आयोग में आवेदन पेश किया था। मामले की सुनवाई के बाद सूचना आयोग ने संस्था को नोटिस जारी कर जानकारी दी देने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना ठोंका था। सूचना आयोग के फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता संस्था ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिकादायर की थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)